राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 23 –नवम्बर–2023 वर्ष–6,अंक–298 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय नौसेना को मिली बड़ी कामयाबी, पहली बार स्वदेशी युद्धपोत से दागी गई ब्रह्मोस मिसाइल

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना को बड़ी कामयाबी मिली है। हाल ही में बनकर तैयार हुए नौसेना के नवीनतम स्वदेशी युद्धपोत से मिसाइल दागी गई है। दुनिया की सबसे तेज चलने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस मिसाइल को P15B डेस्ट्रॉयर से छोड़ा गया है। नौसेना के नवीनतम स्वदेशी युद्धपोत का डिस्प्लेसमेंट 7400 टन है। यह 535 फीट लंबा युद्धपोत है। यह डीजल-इलेक्ट्रिक युद्धपोत है। अधिकतम स्पीड 56 किलोमीटर प्रतिघंटा है। अगर इसे 33 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चलाएं तो यह 15 हजार किलोमीटर की दूरी तय कर सकता है। 45 दिनों तक समुद्र में रह सकता है। इसमें चार रिजिड बोट्स भी हैं।

स्वदेशी युद्धपोत में क्या है खासियत?

इस युद्धपोत पर 48 वर्टिकल लॉन्च सिस्टम (वीएलएस) है। इसमें एंटी-एयर वॉरफेयर के तौर पर 32 बराक-8 सरफेस-टू-एयर मिसाइल लगी है। इसके अलावा एंटी-सरफेस वॉरफेयर के तौर पर 16 ब्रह्मोस एंटी-शिप मिसाइलें तैनात हैं। इतना ही नहीं इसमें 4 टॉरपीडो ट्यूब्स भी लगे हैं। 2 एंटी-सबमरीन रॉकेट लॉन्चर्स लगे हैं। इस युद्धपोत पर 1 ओटो मेलारा नेवल गन, 4 AK-630M CIWS सिस्टम, 2 रिमोट कंट्रोल्ड गन हैं। इस जहाज पर 2 ध्रुव या सीकिंग हेलिकॉप्टर तैनात हो सकते हैं। साथ ही इस युद्धपोत पर 50 नेवल ऑफिसर और 250 नौसैनिक तैनात हो सकते हैं। युद्धपोत आईएनएस इम्फाल से निकली ब्रह्मोस मिसाइल के एक्सटेंडेड वर्जन ने बुल्स आई पर निशाना लगाया। न्यूज एजेंसी एएनआई ने एक्स पर वीडियो शेयर कर कहा, इम्फाल (यार्ड 12706), भारतीय नौसेना के नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक ने समुद्र में अपनी पहली ब्रह्मोस फायरिंग में बुल्स आई स्कोर किया। स्वदेशी पोत इम्फाल से मिसाइल नष्ट करने में मिली सफलता को रेखांकित करते हुए नौसेना ने कहा, इससे आत्मनिर्भर भारत आह्वान के तहत बढ़ती जहाज निर्माण क्षमता की भी पता चलता है। इम्फाल को अपने बेड़े में शामिल करने का फैसला दिखाता है कि नौसेना स्वदेशी हथियारों और प्लेटफार्मों की सुनिश्चित विश्वसनीयता पर अटूट फोकस कर रही है।

कनाडा को बड़ी राहत

दो महीने बाद भारत ने कनाडाई नागरिकों के लिए फिर शुरू की ई-वीजा सेवा

नई **दिल्ली।** भारत ने लगभग दो महीने के बाद कनाडाई नागरिकों के लिए फिर से इलेक्ट्रॉनिक वीजा की सेवाएं शुरू कर दी हैं। इससे कनाडाई नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता के कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों को बाद दोनों देशों के रिश्तों में तल्खी आ गई थी। इससे उपजे राजनयिक विवाद के बीच भारत ने 21 सितंबर को कनाडाई नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं निलंबित कर दी थीं। भारत ने ऐसे वक्त में ई-वीजा फिर से शुरुआत करने की घोषणा की है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो जी-20 की वर्चुअल मीटिंग में आमने-सामने होने वाले हैं। इस मीटिंग से पहले भारत की तरफ से की गई कार्रवाई को दोनों देशों के बीच आपसी रिश्तों को फिर से पटरी पर लाने की दिशा में एक

सकारात्मक कदम के तौर पर देखा जा रहा है। बता दें कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि जून में कनाडा के नागरिक खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंट शामिल थे। भारत सरकार ने इसका जोरदार खंडन किया था और आरोपों को बेतुका, मनगढ़ंत और बिना किसी सबूत वाला बताया था। नई दिल्ली ने इस बारे में ओटावा से अपने दावों के समर्थन में सबूत साझा करने की भी मांग की है लेकिन अभी तक ओटावा कोई सबूत देने में नाकाम रहा है। ई-वीजा फिर से शुरू करने का मतलब इसमें मेडिकल वीजा, बिजनेस वीजा और टूरिस्ट वीजा समेत चार तरह के वीजा शामिल हैं। सितंबर में भाकत ने अगले आदेश तक इन वीजों पर प्रतिबंध लगा दिया था। जब दोनों देशों के रिश्ते तल्ख हुए थे, तब दोनों देशों ने अपने-अपने नागरिकों को एडवायजरी जारी की थी। कनाडा ने अपने नागरिकों को भारत की यात्रा करने पर विचार करने का आग्रह किया था और कहा था कि ÷राजनीतिक रूप से समर्थित÷ घृणा अपराधों के मद्देनजर भारत की यात्रा करने में अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए।

शुक्रवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ गयाजी में करेंगे पिंडदान

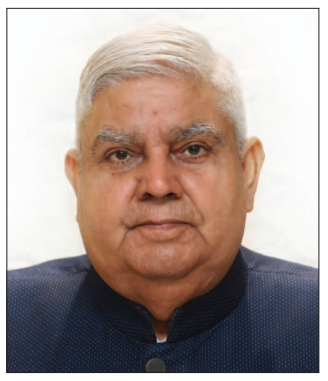

गया। जहां उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एवं उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ अपने पूर्वजों के मोक्ष और मुक्ति के लिए कर्मकांड करेंगे। उसके ठीक बाद श्री हरि विष्णु के चरण पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद गयाजी डैम में जलांजलि देंगे। उपराष्ट्रपति के आगमन को लेकर प्रशासनिक तैयारी भी जोरों पर चल रही है। जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि उपराष्ट्रपति को गया एयरपोर्ट से घुघरीटांड बाईपास, नारायणी पुल होते हुए विष्णु पर मंदिर के बने विशेष द्वार से प्रवेश कराया जाएगा। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार पिंडदान और कर्मकांड करने के बाद हेलीकॉप्टर से उपराष्ट्रपति नालंदा के लिए रवाना हो जाएंगे।

इस दौरान सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम-गया के जिलाधिकारी ने बताया कि उपराष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए पुलिस - प्रशासन सुरक्षा में बिल्कुल भी लापरवाही नहीं बरतना चाहता। जिस रास्ते से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ गयाजी जाएंगे उन रास्तों पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी रहेगी। ताकि कोई भी अप्रिय घटना न घटे। इसके अलावा उपराष्ट्रपति के आगमन को लेकर केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी ने गुरुवार को विष्णुपद मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था, मंदिर तक पहुंचने वाले मार्ग, सीढ़ी और पूजा स्थल का निरीक्षण किया।

लोकसभा चुनाव से पहले यूपी में एक और दल की एंट्री

पूर्व डीजीपी ने बनाई अपनी अलग पार्टी

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले यूपी की राजनीति में एक और नए दल की एंट्री हुई है। उत्तर प्रदेश के तेज तर्रार और तेजी से एक्शन लेने वाले पुलिस अधिकारी के रूप में जाने जाने वाले पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने राजनीतिक पार्टी बनाने का ऐलान किया है। उन्होंने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि बुंदेलखंड को अलग राज्य बनाने के उद्देश्य से उन्होंने बुंदेलखंड लोकतांत्रिक पार्टी का गठन किया है। जिसे जल्द ही रजिस्ट्रेशन भी कराएंगे। पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सात और मध्य प्रदेश के आठ जिलों को मिलाकर एक अलग राज्य बुंदेलखंड की मांग है। उन्होंने विस्तार से बताते हुए कहा कि बुंदेलखंड राज्य में 15 जिले होंगे। सुलखान सिंह ने कहा कि वह अकेले ही बुंदेलखंड लोकतांत्रिक पार्टी बनकर बुंदेलखंड के अलग राज्य को बनाने को लेकर अलख जगायेंगे। राजनीतिक दलों पर आरोप लगाते हुए कहा महत्वाकांक्षा छोटे राज्य बनने से रोक रही हैं। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ताधारियों की हनक की वजह से बड़े-बड़े आंदोलन फीके पड़ जाते हैं फिर पिछड़े बुंदेलखंड के लोग किसी आंदोलन को लंबे समय तक चलने में कैसे समर्थ हो सकते हैं? डीजीपी ने कहा कि दोनों राज्य के 15 जनपदों में बंटे बुंदेलखंड क्षेत्र को गांव-गांव जाकर जनसंपर्क अभियान चलाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड राज्य को लेकर यहां के निवासियों

में जागरूकता और जन भावना विकसित करने की जरूरत है। उन्होंने इस दौरान लोगों से अपील भी की।

सुलखान सिंह यूपी कैडर 1980 बैच के आईपीएस अफसर-पूर्व डीजपी सुलखान सिंह यूपी के ही बांदा के निवासी हैं। सुलखान सिंह का जन्म 8 सितंबर 1957 को हुआ। सुलखान की शुरुआती शिक्षा बजरंग इंटर कॉलेज में हुई। उन्होंने आईआईटी रुड़की से सिविल इंजीनियरिंग की है। सुलखान ने लॉ भी किया है। सुलखान सिंह यूपी कैडर 1980 बैच के आईपीएस अफसर हैं।

क्या दिल्ली में आएगा बड़ा जल संकट, क्यों 'पैनिक' में केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली में एक बार फिर अफसरशाही और आम आदमी पार्टी की सरकार टकराव की मुद्रा में हैं। ताजा विवाद पानी को लेकर है जिसकी वजह से दिल्ली में बड़े जल संकट का दावा किया जा रहा है। अरविंद केजरीवाल सरकार ने इसको लेकर पैनिक बटन दबा दिया है। दिल्ली सरकार की प्रमुख मंत्री आतिशी ने तो मंगलवार को इमर्जेंसी हालात बताते हुए वित्त सचिव आशीष वर्मा पर ठीकरा फोड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्मा ने दिल्ली जल बोर्ड का फंड रोक दिया है। वहीं, वित्त सचिव ने कहा कि यह दावा करना गलत है कि शहर में पानी आपूर्ति या सीवेज ट्रीटमेंट रुक जाएगा। दिल्ली की जल और वित्त मंत्री अतिशी ने वर्मा पर दिल्ली जल बोर्ड के लिए फंड की दूसरी किस्त रोकने का आरोप लगाते हुए उन्हें सस्पेंड करने की मांग की। आतिशी ने एलजी वीके सक्सेना को लेटर लिखकर हस्तक्षेप करने को कहा है।

उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय राजधानी में जल और स्वच्छता का बड़ा संकट आ सकता है। उन्होंने यहां तक कहा कि महामारी जैसे हालत पैदा हो सकते हैं। वर्मा ने कहा कि सरकार लोन और ग्रांट केवल नए काम के लिए देती है और इन प्रॉजेक्ट्स के लिए फंड जमीन पर हुई प्रगति के आधार पर जारी किया जाता है। उन्होंने कहा, %1,598 करोड़ रुपए दिल्ली जल बोर्ड को जून में ही जारी किए जा चुके हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि फंड का दुरुपयोग नहीं हो रहा है, काम की प्रगित के सबूत और जियोटैगिंग के आधार पर आगे की धनराशि जारी की जाएगी। वर्मा ने कहा, मूल काम का प्रबंधन डीजेबी के अपने कर्माचारी करते हैं और निकट भविष्य में रुकने की संभावना नहीं है। पानी की आपूर्ति और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट डीजेपी की अपनी जिम्मेदारी है। यह कहना गलत है कि पानी आपूर्ति या सीवेज ट्रीटमेंट रुक जाएगा। पिछले दशक में एमसीडी को भी ऐसे ही वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा है, जिसकी वजह से ठेकेदारों को देरी से पेमेंट, वेतन और विकास कार्यों में देरी हुई। वर्मा ने कहा, सरकार सैलरी, रिपेयर और मेंटिनेंस के लिए डीजेपी को पैसा नहीं देती है। यह खर्च डीजेपी के अपने राजस्व से चलाया जाता है। सरकार लोन और ग्रांट केवल नए काम के लिए देती है और फंड जमीन पर हुई प्रगति के आधार पर दिया जाएगा। एलजी सचिवालय ने आतिशी के लेटर पर आधिकारिक तौर पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। दिल्ली जल बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि फंड में देरी का असर विकास, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को अपग्रेड करने, यमुना सफाई और सीवर, पानी की नई पाइप लाइन्स बिछाने या बदलने जैसे कामों पर हो सकता है। 21 नवंबर को लिखे अपने लेटर में जल मंत्री ने कहा है कि दिल्ली के वित्त विभाग ने वह फंड भी जारी करने से इनकार कर दिया है जो सरकार 2023-24 के बजट में आवंटित कर चुकी है और दिल्ली विधानसभा ने पास किया है।

पीएम मोदी ने सीएम धामी को फोन कर सिलक्यारा सुरंग बचाव अभियान की प्रगति की ली जानकारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात कर सिलक्यारा के सुरंग में फंसे श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालने के लिए चलाए जा रहे बचाव अभियान की प्रगति की जानकारी ली। सीएम धामी ने बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उत्तरकाशी में निर्माणाधीन टनल में फंसे श्रमिकों के लिए भोजन, दवाइयां, अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति एवं उन्हें सकुशल बाहर निकालने हेतु चलाए जा रहे बचाव कार्यों की और 24 घंटों में हुई सकारात्मक प्रगति की जानकारी दी। पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ फोन पर हुई बातचीत की जानकारी को साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज फोन पर बात कर सिलक्यारा, उत्तरकाशी में निर्माणाधीन टनल में फंसे श्रमिकों के लिए भोजन, दवाइयां, अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति एवं उन्हें सकुशल बाहर निकालने हेतु चल रहे बचाव कार्यों की जानकारी ली। प्रधानमंत्री को केंद्रीय एजेंसियों, अंतर्राष्ट्रीय एक्सपर्ट्स एवं प्रदेश प्रशासन के परस्पर समन्वय के साथ संचालित बचाव कार्यों से अवगत कराया। इस दौरान उन्हें गत 24 घंटों में हुई सकारात्मक प्रगति एवं श्रमिकों और उनके परिजनों की बातचीत से बढ़े मनोबल की भी जानकारी दी। धामी ने आगे कहा कि, प्रधानमंत्री का इस कठिन परिस्थिति से निपटने हेतु

निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है, जो हम सभी को पूरी ताकत से श्रमिक भाइयों को शीघ्र और सुरक्षित बाहर निकालने के लिए नित नई उर्जा प्रदान करता है। आपको बता दें कि, उत्तराखंड के टनल में 41 श्रमिकों के फंसने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पांचवी बार उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से फोन पर बात कर ग्राउंड जीरो के हालात की जानकारी ली है।

एक भविष्यवाणी करना चाहता हूं, लिखकर रख लें; पीएम मोदी ने अशोक गहलोत पर किया बड़ा दावा

राजस्थान में विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लेकर एक 'भविष्यवाणी' की है। उन्होंने कहा कि फिर कभी गहलोत की सरकार नहीं बनेगी।

नई दिल्ली। राजस्थान में विधानसभा चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लेकर एक 'भविष्यवाणी' की है। पीएम मोदी ने इसके सही साबित होने का भरोसा जताते हुए कहा कि राजस्थान में फिर कभी अशोक गहलोत की सरकार नहीं बनेगी। पीएम ने कहा, 'राजस्थान के कोने-कोने से एक ही आवाज आ रही है- गहलोत जी, कोनी मिले वोट जी।' पीएम मोदी ने बुधवार को राजस्थान के डूंगरपुर में जनसभा को संबोधित किया। सागवाड़ा में आयोजित विशाल जनसभा में उन्होंने अशोक गहलोत सरकार पर भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था और पेपर

लीक को लेकर कई आरोप लगाए। पीएम मोदी ने लगे हाथ गहलोत पर भविष्यवाणी भी कर डाली। उन्होंने कहा कि फिर कभी राजस्थान में अशोक गहलोत की सरकार नहीं बन पाएगी। पीएम ने कहा कि मावजी महाराज की धरती की भविष्यवाणी 100 फीसदी सटीक होती है। पीएम मोदी ने कहा, इस धरती को सटीक भविष्यवाणी के लिए मावजी महाराज का आशीर्वाद मिला है। यह भूमि मावजी के तपस्या की भूमि है। यहां की भविष्यवाणी 100 फीसदी सच निकलती है। मैं मावजी महराज को प्रणाम करते हुए एक भविष्यवाणी करने की हिम्मत कर रहा हूं। मेरी नहीं है, इस पवित्र धरती की ताकत है कि मेरे मन में विचार आया है, इसलिए हिम्मत कर रहा हूं। पूरे राजस्थान के लोग लिखकर रख लें, इस बार तो नहीं, अब राजस्थान में कभी भी अशोक गहलोत की सरकार नहीं बनेगी। ये मावजी महाराज की धरती से बोले गए शब्द हैं।

नवंबर में भी बारिश बढ़ा रही मुश्किल, आईएमडी ने इन 4 राज्यों में जारी किया ऑरेंज अलर्ट, स्कूल भी बंद

नई दिल्ली। नवंबर का महीना खत्म होने वाला है और उत्तर भारतीय राज्यों में सर्दियां हिलोरे मार रही हैं। जबकि कुछ राज्यों में बारिश ने अभी भी लोगों की नाक में दम कर रखा है। भारतीय मौसम विभाग ने 23 नवंबर तक कई राज्यों में भारी से भारी बारिश की चेतावनी दी है। खासकर दक्षिणी राज्यों तमिलनाडु, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने केरल और माहे के लिए भी चेतावनी जारी की। कहा है कि 22 और 23 नवंबर को बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों से अनुरोध किया है कि जल-जमाव, कच्ची सड़कों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचें। पिछले दो हफ्तों से, तमिलनाडु के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश हो रही है। जिसकी वजह से चेन्नई और पुडुचेरी में स्कूल बंद करने के आदेश दिए गए हैं।

आईएमडी ने X पर एक पोस्ट में कहा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। आम जनता से अनुरोध है कि बारिश की वजह से जारी ऑरेंज अलर्ट के दौरान जल-जमाव, कच्ची सड़कों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचें और लोगों को जागरूक भी करें। सावधान रहें, सुरक्षित रहें!

स्कूल बंद

पिछले दो हफ्तों से, तमिलनाडु के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप गंभीर जलजमाव हो गया है और स्कूल बंद कर दिए गए हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और 23 नवंबर तक तूफान की भविष्यवाणी की है। एक अधिकारी ने कहा, विभाग ने दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश (एससीएपी) और रायलसीमा के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। आईएमडी ने विज्ञप्ति में कहा कि 21 से 23 नवंबर तक उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश (एनसीएपी), यनम, एससीएपी और रायलसीमा के कुछ हिस्सों में बिजली गिरने के साथ गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। चेन्नई में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के एक बयान में कहा गया है कि आने वाले तीन दिनों में मौसम में उतार-चढ़ाव के कारण तमिलनाडु के 10 से अधिक जिलों में रुक-रुक कर भारी बारिश होने की संभावना है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कुछ स्थानों पर गरज और बिजली गिरने के साथ कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली और तेनकासी जिलों जैसे अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। इसके अलावा, रामनाथपुरम, थूथुकुडी, थेनी, डिंडीगुल, पुदुक्कोट्टई, तंजावुर, तिरुवरुर, नागपट्टिनम, मयिलादुथुराई और कराईकल जैसे अन्य जिलों में भारी वर्षा का अनुमान है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पराली पर सख्ती

राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण की समस्या को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता न सिर्फ सराहनीय है, बल्कि कुछ राज्य सरकारों की उदासीनता को देखते हुए यह अनिवार्य भी बन गई है। खासकर पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं और उसके दुष्प्रभावों पर लंबे विमर्श व हिदायतों का खास असर न होता देख सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पंजाब सरकार से कुछ सख्त सवाल किए। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार से पूछा कि जो लोग पराली जलाने से बाज नहीं आ रहे, उन पर अतिरिक्त जुर्माना क्यों नहीं लगाया जा रहा और अन्य आर्थिक लाभों से वंचित करने का विकल्प उनके विरुद्ध क्यों नहीं आजमाया जा रहा? अदालत ने छोटे व गरीब किसानों से सहानुभूति जताते हुए राज्य सरकार से साफ-साफ कहा कि उन्हें वित्तीय मदद पहुंचाना राज्य का काम है। जाहिर है, पंजाब सरकार अब तक इस मामले में किसानों को भरोसे में नहीं ले पाई है, जिसका खामियाजा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लोगों को भुगतना पड़ता है।दरअसल, हमारे देश में राजनीतिक प्रदूषण इतना गहरा हो गया है कि इसमें जल और वायु प्रदूषण जैसी जानलेवा स्थितियां भी एक-दूसरे पर तोहमत मढ़ने का विषय बनने लगी हैं। जिस मानवीय समस्या का सर्वमान्य निदान संबंधित सरकारों को आपस में मिल-बैठकर निकालना चाहिए, उसे वे दलीय चश्मे से देखे जा रही हैं और आम शहरी का सांस लेना दूभर हो चला है। पहले दिल्ली सरकार पंजाब और हरियाणा पर आरोप लगाती थी कि वहां पराली जलाने से राजधानी में वायु गुणवत्ता बिगड़ी है, मगर जब से पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, उसका नजरिया बदल गया है। अदालत ने इस पहलू पर भी टिप्पणी की है। इसमें कोई दोराय नहीं कि पंजाब और हरियाणा ने हरित क्रांति में अहम भूमिका निभाई; देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाने में यहां के किसानों का बड़ा योगदान है। मगर इसका आर्थिक लाभ उन्हें भी मिला है। इसलिए, चंद किसानों को लोगों की सेहत से खिलवाड़ की छूट नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों का निहितार्थ यही है। पंजाब के किसानों के हित में यही है कि वे अपनी फसल प्राथमिकताओं पर नए सिरे से गौर करें। राज्य में धान उत्पादन पर अधिक जोर देने का साफ-साफ असर भूजल-स्तर पर दिखने लगा है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट की यह चिंता भी वाजिब है कि यदि वहां की जमीन में नमी की मात्रा कमजोर पड़ती गई, तो इसका नतीजा भयानक हो सकता है। न्यायमूर्ति एस के कौल ने तो पंजाब सरकार के साथ-साथ अन्य राज्य सरकारों को भी यह सलाह दी है कि वे अपने-अपने सूबे के किसानों को पर्यावरण एवं जल की स्थानीय उपलब्धता के अनुरूप फसलें चुनने को प्रेरित करें। केंद्र-राज्य सरकारों और राजनीतिक दलों को अब एक ऐसी संस्कृति विकसित करनी ही होगी, जिसमें नागरिकों के स्वास्थ्य की कीमत पर राजनीति की कोई गुंजाइश न हो। मुनासिब यही होगा कि सुप्रीम कोर्ट की चिंताओं और हिदायतों के आलोक में पंजाब सरकार पराली जलाने वालों के खिलाफ त्वरित कदम उठाए। जिन छोटे किसानों को वित्तीय मदद की दरकार है, उनके लिए स्थानीय तंत्र को अधिक संवेदनशील बनाए। केंद्र से आर्थिक सहूलियतें हासिल करने के लिए भी सरकारों में एक-दूसरे पर कुछ भरोसा होना चाहिए। केंद्र व पंजाब समेत दिल्ली से लगे अन्य राज्यों की सरकारें भी एनसीआर के लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं!

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सुरंगों के संजाल से जखमी हिमालय

जयसिंह रावत

पौराणिक नगरी जोशीमठ के धंसने के कारण तपोवन-विष्णुगाड जल विद्युत परियोजना की सुरंग के चर्चा में आने के बाद चारधाम ऑल वेदर सड़क परियोजना की उत्तरकाशी स्थित सिलक्यारा परियोजना की सुरंग सुर्खियों में है। सुरंग के एक हिस्से के धंसने से वहां फंसे 41 मजदूरों की जान संकट में पड़ने के बाद एक बार फिर विश्व की सबसे युवा पर्वतमाला हिमालय में सुरंगों के निर्माण पर सवाल भी उठने लगे हैं। दरअसल, सुरंगों सहित भूमिगत निर्माण में इस तरह के हादसे नई बात नहीं है। अब तो सुरंगों के धंसने और निर्माणाधीन सुरंगों के ऊपर बसी बस्तियों के धंसने की शिकायतें आम हो गयी हैं। सड़क परिवहन, राजमार्ग और जहाजरानी मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार उत्तराखंड के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर में इस वक्त पौने तीन लाख करोड़ रुपये की लागत की टनल बनाई जा रही हैं। इसमें दो राय नहीं कि विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों वाले हिमालयी क्षेत्र की जनता को विकास भी चाहिए, तभी उनकी जिन्दगी की परेशानियां कम होंगी और बेहतर जीवन सुलभ होगा। हिमालयवासियों के लिए सड़कें भी चाहिए तो बिजली-पानी और अन्य आधुनिक सुविधाएं भी। लेकिन पहाड़ों पर सड़कें बनाना तो आसान है, मगर उन सड़कों के निर्माण से उत्पन्न परिस्थितियों से निपटना उतना आसान नहीं है। तेज ढलान के कारण पन बिजली उत्पादन के लिए हिमालयी क्षेत्रों को सबसे अनुकूल माना जाता है। इसीलिये नीति-नियन्ताओं और योजनाकारों की नजर हिमालय पर पड़ी है। पन बिजली पैदा करने के लिए ग्रेविटी या ढलान की आवश्यकता होती है। मकसद यही कि तेज धार या पानी की भौतिक ऊर्जा से पावर हाउस की टरबाइन चल सकें और फिर बिजली का उत्पादन हो सके। इसके लिए पहाड़ों से बहने वाली नदियां ही सबसे माकूल हैं। इन नदियों का वेग और भौतिक ऊर्जा बढ़ाने के लिए पानी को तेज ढलान वाली सुरंगों से गुजारा जाता है जिसके लिए पहाड़ी क्षेत्र ही सबसे अनुकूल होते हैं। मैदानी क्षेत्र में पानी के लिए इतनी ढाल या ग्रेविटी के लिए बहुत बड़ा क्षेत्र डुबोना होता है। इसलिये अब तक जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर तक पन बिजली के लिए योजनाकारों ने हिमालयी क्षेत्र को चिन्हित कर रखा है। हिमालय पर सुरंगों का निर्माण शुरू से चर्चा का विषय रहा है। हिमालय के गर्भ को छलनी करने का समर्थन तो पर्यावरणविद् कर नहीं सकते मगर भूविज्ञानी भी इसमें संयम की सलाह अवश्य देते हैं। वर्तमान में हिमालय पर केवल बिजली परियोजनाओं के लिए नहीं बल्कि यातायात और अन्य गतिविधियों के लिए भी सुरंगों का निर्माण हो रहा है। पहले भूमिगत बिजलीघर बने, लेकिन अब तो पहाड़ी नगरों में ट्रैफिक समस्या के समाधान के लिए भूमिगत पार्किंग भी बनने लगी हैं। राज्य गठन से पहले ही अकेले उत्तराखंड में चारधाम ऑल वेदर रोड और ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना की सुरंगों के अलावा लगभग 750 किमी लम्बी सुरंगें विभन्न चरणों में थीं। एनटीपीसी की लगभग 12 किमी लम्बी सुरंग को जोशीमठ के धंसने के लिए पर्यावरणविद् जिम्मेदार मानते रहे हैं। जोशीमठ के ही सामने चाईं गांव के धसने के लिए 300 मेगावाट की विष्णुप्रयाग परियोजना की 13 किमी लम्बी सुरंग पर उंगलियां उठती रही हैं। पेशे से इंजीनियर रहे भारत के दूरदृष्टा सिंचाई और ऊर्जा मंत्री रहे के.एल. राव द्वारा देश के जल संसाधनों का सन् 60 के दशक में व्यापक सर्वेक्षण कराया गया था। उसी सर्वेक्षण के आधार पर भाखड़ा नंगल बांध से लेकर टिहरी बांध जैसी परियोजनाएं शुरू हुई थीं। उसी के आधार पर चिन्हित परियोजनाएं आज विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें कुछ हरित प्राधिकरण द्वारा रोकी भी गयी हैं। इनमें लगभग कुल 750 किमी लम्बी सुरंगें विभिन्न चरणों में हैं। वाडिया इंस्टिट्यूट आफ हिमालयन जियोलॉजी के पूर्व निदेशक एनएस विरदी और एक अन्य भू-वैज्ञानिक एके महाजन के एक शोधपत्र के मुताबिक अकेले गंगा बेसिन की प्रस्तावित और निर्माणाधीन परियोजनाओं के लिए 150 किमी लंबी सुरंगें खुद रही हैं या खोदी जा चुकी हैं। प्रस्तावित परियोजनाओं में से विष्णुप्रयाग प्रोजेक्ट पर 12 किमी सुरंग चल रही है। भागीरथी पर बनने वाली परियोजनाओं में लोहारी नागपाला 13.6 किमी, पाला मनेरी 8.7 किमी व मनेरी भाली द्वितीय में 15.40 किमी लंबी सुरंग शामिल हैं। मनेरी भाली प्रथम में पहले ही 9 किमी लंबी सुरंग काम कर रही है। पन बिजली की इन सुरंगों के अलावा ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना पर 105.47 किमी लम्बी 17 मुख्य सुरंगें बन रही हैं और 98.54 किमी लम्बी स्केप टनल सहित कुल 218 किमी लम्बी सुरंगें विभिन्न चरणों में हैं। दरअसल किसी भी परियोजना में केवल मुख्य सुरंग का ही उल्लेख आता है। जबकि उस मुख्य सुरंग को खोदने और उसका मलबा बाहर निकलने के लिए भी सुरंगें बनानी होती हैं, जिन्हें एडिट भी कहा जाता है। इसी प्रकार चारधाम आल वेदर रोड के लिए भी कुछ सुरंगें बन रही हैं, जिनके निर्माण के लिए भी अन्य सुरंगें बन रही हैं। इसलिये सवाल उठना लाजिमी है कि अगर हिमालय के कच्चे पहाड़ अन्दर से इस तरह छलनी कर दिये जायेंगे तो उसका पर्यावरणीय और अन्य व्यावहारिक असर क्या होगा। ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना की सुरंगों के निर्माण में भारी विस्फोटकों के कारण टिहरी, पौड़ी और रुद्रप्रयाग जिलों की कुछ बस्तियों में न केवल मकानों में दरारें आ गयीं बल्कि यहां स्थित सारी गांव में भवन तक ढह गये। अगर भविष्य में इस परियोजना को बदरीनाथ और केदारनाथ तक विस्तार देने का प्रयास होता है तो निश्चित तौर पर इतनी ऊंचाई तक रेल लाइन पहाड़ों के अन्दर ही बनायी जा सकती हैं। क्षेत्र की विशिष्ट भूगर्भीय, भौगोलिक और पर्यावरणीय विशेषताओं के कारण हिमालय में सुरंग निर्माण से कई चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं। दरअसल, हिमालय जटिल भूगर्भीय संरचनाओं वाला एक भूकंपीय दृष्टि से सक्रिय क्षेत्र है, जिसमें विभिन्न प्रकार की चट्टानें, भ्रंश रेखाएं और अस्थिर भूभाग शामिल हैं। यहां कठिन चट्टानों, भूस्खलन और भूगर्भीय अस्थिरता के कारण सुरंग बनाने के लिए चुनौतियां पैदा होती हैं। निर्माण कार्य प्रायः अधिक ऊंचाई पर कठिन होता है। कम तापमान, ऑक्सीजन की कमी और कठिन पहुंच जैसी चुनौतियां निर्माण को कठिन बनाती हैं। कठोर चट्टानों में सुरंग बनाने, पानी के प्रवेश का प्रबंधन करने, वेंटिलेशन सुनिश्चित करने और खड़ी चट्टानों में स्थिरता बनाए रखने के लिए उन्नत इंजीनियरिंग तकनीकों और विशेष उपकरणों की आवश्यकता होती है। हिमालय में भूगर्भीय निर्माण गतिविधियां नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र पर व्यापक प्रभाव डाल सकती हैं। मसलन पारिस्थितिकी संतुलन, जल संसाधन और मानव बस्तियों पर प्रभाव डाल कर चिन्ता का विषय बनती हैं। जोखिमों को कम करने के लिए व्यापक योजना, भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, उन्नत तकनीक, सुरक्षा प्रोटोकॉल और कुशल जनशक्ति आवश्यक हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कृत्रिम मेधा के वैश्विक मानकों की जरूरत

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों ब्रिटेन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आयोजित महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन में तकनीकी और राजनीति की दुनिया के दिग्गजों ने चेतावनी दी कि अगर कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नियंत्रित नहीं किया गया, तो दुनिया के लिए भारी जोखिम पैदा हो जाएगा। लोगों की गोपनीयता भंग होने के साथ ही इंसानी जीवन पर भी खतरा मंडराने लगेगा। दुनिया में एआई को लेकर लगातार बढ़ रही चिंताओं के बीच ऐसे शिखर सम्मेलन की लंबे समय से प्रतीक्षा थी। वास्तव में यह शिखर सम्मलेन एआई से जुड़ी समस्याओं से समाधान खोजने का बड़ा प्रयास है। सम्मेलन की बड़ी कामयाबी यह कि तकनीक की दुनिया के दिग्गज जोखिमों को कम करने के लिए तैयार दिखे। असल में एआई के विकास में सरकारों के साथ मिलकर काम करना जरूरी है, ताकि कायदे-कानूनों के तहत ही इस नई तकनीकी का विकास हो। अगर निजी कंपनियों में एआई के विकास को लेकर खुली प्रतिस्पर्द्धा छिड़ी, तो यह मानवता को नुकसान पहुंचाने लगेगी। एआई के विकास में लगे अग्रणी व्यक्तियों को जिम्मेदारी का अहसास कराने में शिखर सम्मेलन को कामयाबी मिली है व भविष्य में आने वाली तकनीक के न्याय-अनुकूल होने की संभावना बढ़ गई। मूल विचार यह कि कंपनियां खुद सुरक्षा उपाय करने के साथ सुनिश्चित करें कि एआई के विकृत मॉडल या जोखिम पहुंचाने की क्षमता रखने वाले मॉडल तैयार न किए जाएं और न ही उनकी निर्माण प्रक्रिया स्वतंत्र छोड़ दी जाए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का आरंभ 1950 के दशक में ही हो गया था, लेकिन इसकी महत्ता को पहली बार 1970 के दशक में पहचान मिली। जापान ने सबसे पहले इस ओर पहल की और 1981 में फिफ्थ जनरेशन नामक योजना की शुरुआत की थी। इसमें सुपर-कंप्यूटर के विकास के लिये 10-वर्षीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई थी। इसके पश्चात अन्य देशों ने भी इस ओर ध्यान दिया। ब्रिटेन ने इसके लिये 'एल्वी' नामक परियोजना की शुरुआत की। यूरोपीय संघ के देशों ने भी 'एस्प्रिट' नाम से एक कार्यक्रम की शुरुआत की थी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग हमेशा बेहतर फैसले लेने के लिए किया जाता रहा है। एआई तकनीक डेटा डिलीवरी का समन्वय कर सकती है, रुझानों का विश्लेषण कर सकती है, पूर्वानुमान प्रदान कर सकती है और बेहतरीन फैसले लेने के लिए अनिश्चितताओं की संख्या बता सकती है। जब तक एआई को मानवीय भावनाओं की नकल करने के लिए प्रोग्राम नहीं किया जाता है, तब तक यह मामले पर निष्पक्ष रहेगा और व्यावसायिक दक्षता का समर्थन करने के लिए सही फैसला लेने में मदद करेगा। इसके अलावा अलग-अलग क्षेत्रों में नयी-नयी खोजों में मदद करना व रोजमर्रा के जीवन को आसान बनाने से लेकर एआई कई मायनों में काफी उपयोगी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कई तरह के फायदे हैं तो इसके नुकसान भी हैं, इसलिए अब एआई के वैश्विक नियमन की जरूरत है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हाल ही में एक आदेश जारी किया जिसके मुताबिक यह सुनिश्चित करना है कि 'अमेरिका आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की संभावनाओं को साधने के साथ ही इसके जोखिमों का प्रबंधन करने में सबसे आगे रहे।' इसके लक्ष्यों में अमेरिका की गोपनीयता की सुरक्षा बरकरार रखते हुए एआई सुरक्षा के लिए नए मानक स्थापित करना है। जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जेनरेटिव एआई) इतना प्रभावशाली है कि इसका विकास एकदम स्वतंत्र तरीके से किए जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। यह ऐसा मुद्दा है जिस पर अधिकांश लोग सहमत हैं। डीप लर्निंग के प्रणेता जेफ्री हिंटन और ओपनएआई के पूर्व प्रमुख सैम ऑल्टमैन, दोनों ही इस मुद्दे पर सहमत हैं। हिंटन ने चेतावनी भी दी कि जेनरेटिव एआई मानव जाति के अस्तित्व के लिए खतरा हो सकता है। ऑल्टमैन ने अमेरिकी सांसदों से अपील की कि वे एआई क्रिएटरों के लिए मापदंड तय करें ताकि वे दुनिया को जोखिम की स्थिति में न आने दें। दुनियाभर में कानून निर्माता सांसद अब भी इस बात को लेकर जूझ रहे हैं कि इस शक्तिशाली तकनीक का नियमन बेहतर तरीके से कैसे किया जाए। इनमें से कई जेनरेटिव एआई क्रिएटरों के पाले में गेंद डालने की कोशिश कर रहे हैं। इंटरनेट की वजह से दुनिया ग्लोबल विलेज में तब्दील हो गई है, साथ ही तकनीक की उपलब्धता बढ़ गई है, तो कुछ देश एआई जैसी तकनीक पर अपना शिकंजा कसना चाहते हैं। दुनिया में एआई को लेकर साझा नीति बहुत जरूरी है, ताकि कोई भी देश या कंपनी इस तकनीक का दुरुपयोग न कर सके। एआई नियमन के मामले में भारत के कम्यूनिकेशंस एंड आईटी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव के अनुसार, दुनियाभर में इन दिनों एआई प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल तेजी से बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। ऐसे में सभी देशों द्वारा इस बारे में एक फ्रेमवर्क बनाना जरूरी हो गया है। यूरोपियन और अमेरिकन रेग्यूलेटर्स काफी समय से इस टेक्नोलॉजी को कंट्रोल में लाने को कानून बनाने पर विचार कर रहे हैं। जिसके बाद अब भारत सरकार भी इस दिशा में रेग्यूलेटरी फ्रेमवर्क बनाने की सोच रही है। एआई के मोर्चे पर वैश्विक सहमति बनाना जरूरी होगा जिसमें दुनिया के सभी देश शामिल हों।

लेखक मेवाड़ यूनिवर्सिटी में डायरेक्टर हैं।

विचार मंथन

केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच टकराव?

(लेखक - सनत जैन)

पिछले कई माहों से सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार के बीच टकराव बना हुआ है। यह टकराव घटने के स्थान पर दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को शायद अपने अधीन मान लिया है। केंद्र सरकार का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट को केंद्र सरकार के कहे अनुसार काम करना चाहिए। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के कामकाज में केंद्र सरकार अपना पूर्ण नियंत्रण चाहती है। प्रशासनिक व्यवस्थाओं एवं नियुक्ति के सहारे केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के कामकाज में अपना नियंत्रण करना चाहती है। जिसके कारण यह टकराव सतह पर आ गया है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति और तबादले में हो रही देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम की ओर से जितनी भी अनुशंसा की गई है। सरकार उसको अपनी पसंद और नापसंद के हिसाब से देखकर फैसला कर रही है। जिसके कारण हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों की वरिष्ठता के साथ-साथ अन्य मामलों की अनदेखी हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह कहा, कि जजों की नियुक्ति में पसंद या ना पसंद की नीति अनुचित है। इससे देश में न्यायपालिका को लेकर एक गलत संदेश जा रहा है। केंद्र सरकार ने गुजरात,दिल्ली,इलाहाबाद इत्यादि हाईकोर्ट के जजों के तबादले को लेकर सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम द्वारा अनुशंसा की गई थी। उसमें सरकार ने कुछ के कर दिए,और कुछ के रोक लिए हैं। जस्टिस कोल और जस्टिस धूलिया की बेंच ने इस मामले की सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से इस मामले में शीघ्र निर्णय लेने के लिए कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने अगली सुनवाई 5 दिसंबर को रखी है। बेंगलुरु एडवोकेट एसोसिएशन की याचिका पर यह सुनवाई पिछले कई महीनो से सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय-समय पर इस याचिका के निराकरण के प्रयास किए गए। लेकिन सरकार के सामने सुप्रीम कोर्ट भी बेबस नजर आ रही है। इसका असर केंद्र सरकार और राज्य सरकार के कामकाज पर भी स्पष्ट रूप से पड़ रहा है। केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त राज्यपाल भी राज्यों में मनमाने तरीके से निर्णय ले रहे हैं। संवैधानिक प्रक्रिया का पालन नहीं करते हैं। कई कई महीनो तक विधानसभा से पारित बिलों को रोक कर रखते हैं। हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश को भी तरह-तरह से नजर अंदाज कर देते हैं। राज्य सरकारों के कामकाज पर लगातार बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। यह कहने में कोई संकोच नहीं हो रहा है, कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट सुनवाई के दौरान जो सलाह सरकार को कोर्ट देती है। सरकारें उसका पालन नहीं करती हैं। सुप्रीम कोर्ट शायद सरकार के साथ टकराव को टालना चाहती है। जिसके कारण सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट और फाइनल आदेश जारी करने से बच रही है। इसका फायदा केंद्र एवं राज्य सरकारें उठा रही हैं। महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को नहीं माना। बार-बार बट और किंतु परंतु लगाकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को हवा हवाई कर दिया। ऐसी ही स्थिति हर मामले में अब देखने को मिलने लगी है। जिसके कारण न्यायपालिका की जो प्रतिष्ठा और लोगों में जो विश्वास बना हुआ था। वह धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। इसके पहले कभी भी यह स्थिति नहीं रही। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट जब तक संविधान के अनुसार याचिका की सुनवाई के बाद सलाह देने के स्थान पर स्पष्ट आदेश नहीं देती हैं। तब तक यही स्थिति बनी रहेगी। वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व सुप्रीम कोर्ट के जज भी यह बात सार्वजनिक रूप से करने लगे हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को सरकारों के दबाव से बाहर निकलते हुए संवैधानिक प्रावधानों और प्रचलित कानून के अनुसार निर्णय करने पर ध्यान देना होगा। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के पास भी संविधान द्वारा प्रदत्त असीमित शक्तियां हैं। न्यायपालिका के आदेशों का पालन कार्यपालिका को करना होता है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट, कार्यपालिका को सीधे कार्यवाही के आदेश दे सकती हैं। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट को अपने संवैधानिक अधिकारों का उपयोग करना पड़ेगा। अन्यथा स्थिति दिनों दिन खराब होती जाएगी। केंद्र एवं राज्य सरकारेंइसी तरह की मनमानी करेगी। जिसके कारण स्थिति दिनों दिन और भी खराब होगी। राम रहीम हत्या और बलात्कार के जुर्म में जेल की सजा काट रहे हैं। उन्हें 2 साल की अवधि में सरकार ने आठ बार पैरोल दे दिया। बिलकिस बानो केस के सजा यापता कैदियों को समय के पूर्व छोड़कर संदेश दिया है,कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से ज्यादा शक्तियां केंद्र सरकार में निहित हैं। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार और राज्य सरकारें सर्वोपरि हो जाएगी।

ज़ोमैटो, स्विगी को 500 करोड़ रुपये का जीएसटी नोटिस: रिपोर्ट

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो और स्विगी को डिलीवरी शुल्क पर 500 करोड़ रुपये के जीएसटी नोटिस मिले हैं। बुधवार को मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई। दोनों ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म ग्राहकों से डिलीवरी फीस के नाम पर कुछ पैसे वसूलते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक टैक्स अधिकारियों और फूड डिलीवरी ऐप्स के बीच डिलीवरी फीस को लेकर अक्सर विवाद होता रहता है, जिसमें करीब 1000 करोड़ रुपये का विवाद होता है। ज़ोमैटो ने संपर्क करने पर टिप्पणी से इनकार कर दिया। स्विगी ने भी कोई टिप्पणी नहीं की। ज़ोमैटो और स्विगी के अनुसार, डिलीवरी चार्ज कुछ और नहीं बल्कि डिलीवरी पार्टनर्स द्वारा वहन की जाने वाली लागत है जो घर-घर खाना पहुंचाने जाते हैं। कंपनियां बस ग्राहकों से वह लागत वसूलती हैं और इसे डिलीवरी पार्टनर्स को दे देती हैं। लेकिन, रिपोर्ट के मुताबिक टैक्स अधिकारी इससे सहमत नहीं हैं। पिछले महीने, स्विगी ने खाने के ऑर्डर के लिए प्लेटफ़ॉर्म शुल्क दो रुपये से बढ़ाकर तीन रुपये कर दिया था। स्विगी के एक प्रवक्ता ने आईएएनएस को बताया, प्लेटफ़ॉर्म शुल्क में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ है। अधिकांश सेवा प्रदाता यह शुल्क लगाते हैं, और उद्योगों में यह एक आम बात है। अप्रैल में, कंपनी ने कार्ट मूल्य से स्वतंत्र प्रति ऑर्डर दो रुपये का प्लेटफ़ॉर्म शुल्क लागू किया था। ज़ोमैटो ने अगस्त में अपना प्लेटफ़ॉर्म शुल्क भी शुरुआती दो रुपये से बढ़ाकर तीन रुपये प्रति ऑर्डर कर दिया। ज़ोमैटो ने ज़ोमैटो गोल्ड यूजरों से प्लेटफ़ॉर्म शुल्क लेना शुरू कर दिया, जिन्हें पहले छूट दी गई थी।

टेस्ला के यूएस साइबरट्रक कारखाने में विस्फोट से कर्मचारी घायल

सैन फ्रांसिस्को । एलन मस्क द्वारा ग्राहकों को पहला साइबरट्रक देने की तैयारी के बीच खबर है कि टेस्ला के टेक्सास गीगाफैक्ट्री में विस्फोट से कर्मचारी घायल हो गए हैं। गौरतलब है कि टेस्ला की विशाल टेक्सास फैक्ट्री में, जहां साइबरट्रक का निर्माण किया जा रहा है, श्रमिकों की चोटें और सुरक्षा चूक आम हैं। टेस्ला द्वारा अमेरिका में ओएसएचए को दी गई सूचना के अनुसार 2022 में प्रत्येक 21 श्रमिकों में से एक को चोट लगी थी। 2021 में, एक इंजीनियर टेस्ला की टेक्सास फैक्ट्री में रोबोट के निर्माण को नियंत्रित करने वाले सॉफ़्टवेयर की प्रोग्रामिंग कर रहा था, तभी कुछ गलत हो गया। रिपोर्ट में दावा करने वाले लोगों का हवाला देते हुए कहा गया है कि रोबोटों में से एक ने इंजीनियर को पटक दिया, अपने पंजे उसके शरीर में घुसा दिए और उसकी पीठ और बांह पर गंभीर घाव कर दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रत्यक्षदर्शियों में से एक ने कहा, एक अन्य कर्मचारी द्वारा आपातकालीन स्टॉप बटन दबाए जाने के बाद, इंजीनियर रोबोट की पकड़ से बाहर आया। टेस्ला द्वारा ट्रैविस काउंटी, टेक्सास को सौंपी गई एक रिपोर्ट में कथित तौर पर रोबोट से संबंधित घटना है, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों के बयान से स्पष्ट रूप से मेल नहीं खाती है। अगस्त 2022 में, एक श्रमिक घायल हो गया। एक अन्य के सिर में चोट लगी। नए साल 2023 के आसपास विस्फोट से एक कर्मचारी बेहोश हो गया था। यह विस्फोट कथित तौर पर अनजाने में पिघले एल्युमीनियम प्रेस मशीन में पानी मिल जाने के कारण हुआ। कैलिफ़ोर्निया में टेस्ला की फ़्रेमोंट फ़ैक्टरी का भी श्रमिकों की चोटों का एक समान इतिहास है।

डीजीसीए ने यात्री-केंद्रित मानदंडों की अनदेखी के लिए एयर इंडिया पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली।

देश के विमानन नियामक डीजीसीए ने यात्री-केंद्रित नियमों का अनुपालन न करने के लिए टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। डीजीसीए ने कहा कि उसने नियमों में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार सभी अनुसूचित विमान सेवा कंपनियों द्वारा यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं/मुआवजे से संबंधित दायित्वों के निर्वहन का पता लगाने के लिए के मई और सितंबर में दिल्ली, कोच्चि और बेंगलुरु हवाई अड्डों पर निरीक्षण किया। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, एयरलाइनों के निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि एयर इंडिया प्रासंगिक नागरिक उड्डयन आवश्यकता (सीएआर) के प्रावधानों का अनुपालन नहीं कर रहा था। तदनुसार, 3 नवंबर को एयर इंडिया को एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, जिसमें उसकी प्रतिक्रिया मांगी गई थी। एयर इंडिया द्वारा दिए गए जवाब के बाद यह पाया गया कि उसने सीएआर के प्रावधानों का अनुपालन नहीं किया है। अन्य बातों के अलावा, विलंबित उड़ानों से प्रभावित यात्रियों के लिए होटल आवास प्रदान नहीं करना, उनके कुछ ग्राउंड कर्मियों को प्रशिक्षण नहीं देना, सीएआर में निर्धारित शर्तों और अनुपयोगी सीटों पर यात्रा करने के लिए मजबूर करने के बाद अंतर्राष्ट्रीय बिजनेस क्लास के यात्रियों को मुआवजे का भुगतान न करना शामिल है। अधिकारी ने कहा, डीजीसीए ने नियमों का पालन न करने पर एयर इंडिया पर 10 लाख रुपये का वित्तीय जुर्माना लगाया है।

भारत के कैग संयुक्त राष्ट्र के लेखा परीक्षक पैनल के उपाध्यक्ष चुने गये

नई दिल्ली।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) गिरीश चंद्र मुर्मू को वर्ष 2024 के लिए संयुक्त राष्ट्र लेखा परीक्षक पैनल का उपाध्यक्ष चुना गया है। कैग ने कहा, यह मान्यता बाहरी ऑडिट के उच्चतम मानकों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और वैश्विक ऑडिट परिदृश्य को आकार देने में उसकी सक्रिय भागीदारी को रेखांकित करती है। मुर्मू ने 20-21 नवंबर 2023 को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित बाहरी लेखा परीक्षकों के पैनल के 63वें सत्र में भाग लिया था। बाहरी लेखा परीक्षकों का पैनल जिसमें वैश्विक स्तर पर 12 सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थानों (एसएआई) के प्रमुख शामिल हैं, संयुक्त राष्ट्र सचिवालय, निधियों और कार्यक्रमों और विशेष एजेंसियों के बाहरी लेखा परीक्षा की देखरेख करते हैं। इस स्वतंत्र निकाय में कनाडा, चिली, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, फिलीपींस, रूस, स्विट्जरलैंड और ब्रिटेन के प्रतिनिधि शामिल हैं। यह संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं के वित्तीय, प्रदर्शन और अनुपालन का ऑडिट करता है।

ओपनएआई में लौट आए सैम ऑल्टमैन

सैन फ्रांसिस्को।

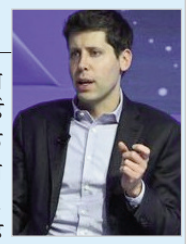

ओपनएआई कथा के अंतिम मोड़ पर सैम ऑल्टमैन ने बुधवार को कहा कि वह नए बोर्ड और माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के समर्थन के साथ चैटजीपीटी विकासशील कंपनी में लौट रहे हैं। एक्स पर एक पोस्ट में, ऑल्टमैन ने कहा कि उन्हें ओपनएआई पसंद है और पिछले कुछ दिनों में उन्होंने जो कुछ भी किया है वह इस टीम और इसके मिशन को एक साथ रखने की सेवा में है। उन्होंने पोस्ट किया, जब मैंने रविवार शाम को माइक्रोसॉफ्ट में शामिल होने का फैसला किया, तो यह स्पष्ट था कि यह मेरे और टीम के लिए सबसे अच्छा रास्ता था। उन्होंने कहा, नए बोर्ड और नडेला के समर्थन के साथ, मैं ओपनएआई में लौटने और माइक्रोसॉफ्ट के साथ हमारी मजबूत साझेदारी को आगे बढ़ाने की उम्मीद कर रहा हूं। ओपनएआई ने कहा कि वह ब्रेट टेलर (अध्यक्ष), लैरी समर्स और एडम डीएंजेलो के नए प्रारंभिक बोर्ड के साथ सीईओ के रूप में ओपनएआई में लौटने के लिए ऑल्टमैन के लिए सैद्धांतिक रूप से एक समझौते पर पहुंच गया है। नडेला ने कहा कि वे ओपनएआई बोर्ड में बदलाव से प्रोत्साहित हैं। नडेला ने एक्स पर पोस्ट किया,÷हमारा मानना है कि यह अधिक स्थिर, सुविज्ञ और प्रभावी शासन की राह पर पहला आवश्यक कदम है। सैम, ग्रेग और मैंने बात की है और सहमति व्यक्त की है कि उन्हें ओएआई नेतृत्व टीम के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है कि ओएआई अपने मिशन को जारी रखे और आगे बढ़े। उन्होंने कहा, हम अपनी मजबूत साझेदारी को आगे बढ़ाने और एआई की इस अगली पीढ़ी का मूल्य अपने ग्राहकों और भागीदारों तक पहुंचाने के लिए तत्पर हैं। नडेला ने घोषणा की थी कि ऑल्टमैन और ओपनएआई के सह-संस्थापक और पूर्व अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन अपनी उन्नत एआई अनुसंधान टीम को चलाने के लिए कंपनी में शामिल होंगे।

शेयर बाजार में रही रौनक, बीएसई सेंसेक्स 92.47 अंक चढ़कर बंद

मुंबई ।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बुधवार को शेयर बाजार लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में हरे निशान पर बंद हुआ। इंडेक्स में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में तेजी और आईटी शेयरों में खरीदारी से बाजार को समर्थन मिला। हालांकि, वैश्विक बाजारों में मिलेजुले रुख के बीच विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने बाजार की बढ़त को सीमित कर दिया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स बुधवार को 65,839.62 अंक पर खुला और कारोबार के दौरान 66,063.43 के शीर्ष लेवल तक गया। अंत में यह 92.47 अंक चढ़कर 66,023.24 पर बंद हुआ। इस तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 28.45 अंक की बढ़त के साथ 19,811.85 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी-50 की 29 कंपनियों के शेयर हरे जबकि 20 के शेयर लाल निशान में बंद हुए जबकि एक में कोई बदलाव नहीं हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एनटीपीसी के शेयर में सबसे ज्यादा 1.50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। साथ ही पावर ग्रिड, टाइटन, सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, नेस्ले और आईटीसी के शेयर हरे रंग पर बंद हुए। वहीं इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचडीएफसी बैंक और मारुति के शेयर गिरकर बंद हुए। बता दें कि इंडेक्स में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी और इंफोसिस के शेयर में तेजी से बाजार को समर्थन मिला। साथ ही अमेरिका में महंगाई के आंकड़ों में नरमी से आईटी और फार्मा शेयरों में खरीदारी से भी घरेलू शेयर बाजार में तेजी आई।

स्टॉक एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला जारी है। उन्होंने मंगलवार को 455.59 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। वहीं, मंगलवार को बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 275.62 अंक या 0.42 प्रतिशत चढ़कर 65,930.77 पर बंद हुआ। निफ्टी 89.40 अंक या 0.45 प्रतिशत बढ़कर 19,783.40 पर बंद हुआ था।

पतंजलि ने गलत दावा किया तो हर प्रोडक्ट पर 1 करोड़ का जुर्माना : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि यदि हर्बल उत्पादों का कारोबार करने वाली कंपनी पतंजलि गलत दावा करती है तो हर प्रोडक्ट पर एक करोड़ रुपयों का जुर्माना लगाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने पतंजे लि आयुर्वेद को कई रोगों के संबंध में अपनी दवाओं के बारे में विज्ञापनों में 'झूठे' और 'भ्रामक' दावे करने के प्रति मंगलवार को आगाह किया। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की याचिका पर सुनवाई करते हुए मौखिक टिप्पणी में कहा, 'पतंजलि आयुर्वेद के ऐसे सभी झूठे और भ्रामक विज्ञापनों को तुरंत रोकना होगा। शीर्ष अदालत ने टीकाकरण अभियान और आधुनिक दवाओं के खिलाफ योग गुरु रामदेव पर अभियान का आरोप लगाने वाली आईएमए की याचिका पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और आयुष मंत्रालय तथा पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड को नोटिस जारी किया था। पीठ ने पतंजलि आयुर्वेद से कहा कि वह चिकित्सा की आधुनिक पद्धतियों के खिलाफ भ्रामक दावे और

विज्ञापन प्रकाशित न करें। यदि यह गलत दावा किया जाता है कि किसी विशेष बीमारी को ठीक किया जा सकता है तो पीठ प्रत्येक उत्पाद पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने पर भी विचार कर सकती है। शीर्ष अदालत ने केंद्र की ओर से पेश वकील से भ्रामक चिकित्सा विज्ञापनों के मुद्दे का समाधान तलाशने को भी कहा, जहां कुछ बीमारियों का सटीक इलाज करने वाली दवाओं के बारे में दावे किए जा रहे हैं। पीठ अब आईएमए की याचिका पर अगले साल 5 फरवरी को सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत ने याचिका पर नोटिस जारी करते हुए एलोपैथी और एलोपैथिक चिकित्सकों की आलोचना करने के लिए रामदेव की कड़ी आलोचना की थी और कहा था कि उन्हें डॉक्टरों और उपचार की अन्य प्रणालियों को बदनाम करने से रोका जाना चाहिए। पीठ ने कहा था, 'गुरु स्वामी रामदेव बाबा को क्या हुआ है? हम उनका सम्मान करते हैं क्योंकि उन्होंने योग को लोकप्रिय बनाया। लेकिन, उन्हें दूसरी पद्धति की आलोचना नहीं करनी चाहिए'।

ईडी ने फेमा उल्लंघन मामले में बायजू रवींद्रन को कारण बताओ नोटिस जारी किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निर्णायक प्राधिकरण ने एडटेक फर्म थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड और बायजू रवींद्रन को 9362.35 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी के मामले में विदेशी मुद्रा विनिमय प्रबंधन अधिनियम (फेमा) 1999 के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया है। ईडी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि उसने कंपनी को प्राप्त विदेशी निवेश और उसके व्यावसायिक आचरण के संबंध में विभिन्न शिकायतों के आधार पर जांच शुरू की थी। यह भी कहा गया कि कंपनी ने भारत के बाहर महत्वपूर्ण विदेशी धन भेजा और विदेशों में निवेश किया जो कथित तौर पर फेमा, 1999 के प्रावधानों का उल्लंघन था और इससे भारत सरकार को राजस्व का नुकसान हुआ। जानकारी के आधार पर ईडी ने इस साल 27 और 28 अप्रैल को थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के परिसर और बायजू रवींद्रन के आवास पर तलाशी ली और कंपनी द्वारा प्राप्त सभी निवेशों के साथ-साथ विदेशी निवेशों से संबंधित दस्तावेजों को जब्त कर लिया। ईडी ने कहा कि जांच के दौरान बायजू रवींद्रन और थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य वित्तीय अधिकारी के बयान दर्ज किए गए। ईडी ने कहा, जांच के निष्कर्ष पर यह पाया गया कि थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड और बायजू रवींद्रन ने भारत के बाहर किए गए अग्रिम प्रेषण के खिलाफ आयात के दस्तावेज जमा करने में विफल होकर भारत के बाहर किए गए निर्यात की आय का एहसास करने में विफल होकर फेमा के प्रावधानों का उल्लंघन किया है।

आयशर ने हेवी-ड्यूटी ट्रकों की नॉन-स्टॉप सीरीज लॉन्च की

इस रेंज में आने वाले चार ट्रक बेस्ट इन क्लास पॉवर, बेहतर अपटाइम और 100% कनेक्टिविटी के वादे के साथ आते हैं

नई दिल्ली ।

वीई कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड की बिजनेस यूनिट आयशर ट्रक्स एंड बसेस ने आयशर नॉन-स्टॉप सीरीज के लॉन्च की घोषणा की, जो हैवी ड्यूटी वाले ट्रकों की एक नई सीरीज है जिसे देश में तेजी से बदलती लंबी दूरी के ट्रांसपोर्टेशन के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है। चार नए हेवी-ड्यूटी ट्रकों वाली नॉन-स्टॉप सीरिज पॉवरफुल और फ्यूल एफिशिएंट इंजनों से लैस है और फ्लिट ओनर्स को बेहतर परफॉर्मेंस और बेहतर अपटाइम प्रदान करने के लिए एक कनेक्टेड सर्विस इकोसिस्टम द्वारा सपोर्टेट है। आयशर प्रो 6019ङ्कक्क्ष, टिपर; आयशर प्रो 6048 एक्सपी, हॉलेज ट्रक; आयशर प्रो 6055ङ्कक्क और आयशर प्रो 6055ङ्कक्क 4×2, ट्रैक्टर-ट्रक, आयशर के भारी, मध्यम और हल्के ड्यूटी ट्रकों और बसों की एक्सटेंसिव लाइन-अप के कॉम्प्लीमेंट करता हैं।

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, वीईसीवी के एमडी और सीईओ, श्री विनोद अग्रवाल ने कहा, ÷हमें एचडी ट्रकों की नॉन-स्टॉप रेंज पेश करने में बहुत गर्व है जो इंडस्ट्री में स्टैंण्डर्ड स्थापित करेगा, जो न केवल हमारे कस्टमरों की सफलता के लिए हमारे डेडिकेशन का रिप्रजेंट करेगा बल्कि हमारे देश में लॉजिस्टिक्स की एफिशियंसी और कॉस्ट में सुधार की दिशा में भी। हमारे इंडस्ट्री के लीडिंग अपटाइम सेंटर और माय आयशर ऐप द्वारा सपोर्टेड, यह नई रेंज आयशर कस्टमरों के लिए अधिक प्रोडक्टिविटी और प्रोफीबिलटी प्रदान करेगी।

वीईसीवी के एचडी ट्रक बिजनेस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट गगनदीप सिंह गंधोक ने इस माइलस्टोन के महत्व के बारे में बताते हुए कहा , आयशर अपने कस्टमरो को एक मजबूत हेवी-ड्यूटी पोर्टफोलियो प्रदान करता है, जो एक कनेक्टेड सर्विस इकोसिस्टम द्वारा सपोर्टेड है जिसके परिणामस्वरूप प्रोडक्टिविटी और प्रॉफिबिलटी में वृद्धि होती है। वाहनों की नई सीरीज को असाधारण परफॉर्मेंस सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है और एआई और मशीन लर्निंग का लाभ उठाने वाले हमारे हॉलिस्टिक सर्विस सॉल्यूशन के साथ, वे बिजनेस और प्रॉफिबिलटी में नॉन स्टॉप ग्रोथ देने के लिए तैयार हैं।

बेस्ट इन क्लास पॉवर और टॉर्क के साथ नॉन-स्टॉप सीरिज-

आयशर प्रो 6048एक्सपी : 48-टन जीवीडब्ल्यू के साथ, यह वाहन,फ्यूल एफिशिएंट वीडीएक्स 8 इंजन द्वारा संचालित है जो 300 एचपी की हाई पावर प्रदान करता है। 1200 एनएम का हाई इंजन टॉर्क लंबी दूरी के ट्रांसपोर्टेशन में बेहतर परफॉर्मेंस और हाई प्रोडक्टिविटी सुनिश्चित करेगा।

आयशर प्रो 6055एक्सपी और आयशर प्रो 6055/1 (4X2) : ये ट्रैक्टर ट्रेलर एक इकोनॉमिकल वीईडीएक्स8 इंजन द्वारा संचालित होते हैं, जो 300 एचपी की टॉप नॉट पॉवर प्रदान करता है जो 1200 एनएम का मैक्सिमम टॉर्क पैदा करता है। वाहनों को ऑप्टिमम परफॉर्मेंस, बेहतर टर्नअराउंड टाइम और लंबी दूरी की लॉजिस्टिक्स के लिए बेहतर अपटाइम के लिए एक मजबूत और बेहतरीन ड्राइवलाइन के साथ डिजाइन किया गया है।

आयशर प्रो 6019एक्सपीटी : वीईडीएक्स 5, 5.1रु4सिलेंडर इंजन के साथ, 240 एचपी का पावर आउटपुट और 900 एनएम का मजबूत टॉर्क डिलीवरी प्रदान करने वाला, आयशर प्रो 6019 एक्सपी टिपर बेहतर परफॉर्मेंस, रिलायबिलटी, बढ़ी हुई प्रोडक्टिविटी और बेहतर रेवेन्यू जनरेशन प्रदान करेगा। इसका शानदार पॉवर टू वेट रेश्यो इसे बेहतर पुलिंग स्ट्रेंथ और उत्कृष्ट ग्रेडेबिलिटी के साथ सशक्त बनाता है, जिसके परिणामस्वरूप त्वरित टर्नअराउंड और अधिक ट्रिप होती हैं।

आरबीआई गवर्नर ने एनबीएफसी की बैंक ऋणों पर अधिक निर्भरता पर जताई चिंता

मुंबई।

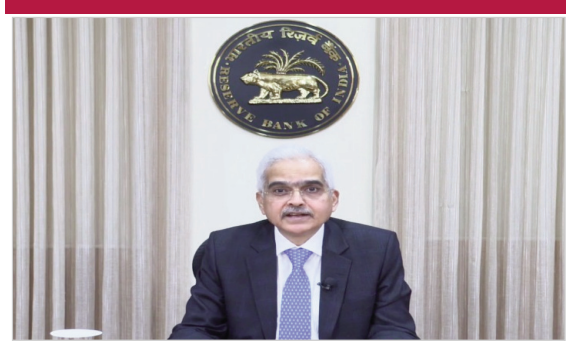

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को एनबीएफसी द्वारा अपने ऋण परिचालन के वित्तपोषण के लिए बैंकों से लिए जा रहे ऋण पर गंभीर चिंता व्यक्त की और कहा कि यह सिस्टम में एक जोखिम के रूप में उभरा है। एफआईबीएसी 2023 सम्मेलन को संबोधित करते हुए, दास ने कहा कि एनबीएफसी को अन्य स्रोतों से धन जुटाने और उच्च इंटरकनेक्टेडनेस के कारण जोखिम को कम करने के लिए बैंकों पर अपनी निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि कई ऋणदाता अपने निर्णय लेने के लिए एल्गोरिदम पर बहुत अधिक निर्भर हैं और निवेश निर्णय लेने से पहले डेटा का अधिक सावधानीपूर्वक विश्लेषण करने की आवश्यकता है। आरबीआई गवर्नर ने इस तथ्य को भी रेखांकित किया कि माइक्रोफाइनेंस के मामले में ऋणदाताओं द्वारा बहुत अधिक ब्याज दरें ली जा रही हैं और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अधिक पारदर्शिता लाने की आवश्यकता है और ब्याज की सूखी दरों से बचने की जरूरत है। साथ ही, दास ने कहा कि सभी व्यावसायिक और वित्तीय संस्थाओं को विकास सुनिश्चित करने के लिए नए अवसरों का लाभ उठाने और क्षमताओं का विस्तार करने, मानव संसाधनों को कौशल देने और नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए निवेश की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, देश में संभावनाएं नई ऊंचाई पर हैं और इसे भारत का क्षण बनाने का समय आ गया है।

दोषपूर्ण ऑटोपायलट सिस्टम के बारे में टेस्ला व एलन मस्क को थी जानकारी : अमेरिकी न्यायाधीश

सैन फ्रांसिस्को।

अमेरिका के एक न्यायाधीश ने फैसला सुनाया है कि इस बात के ठोस सबूत हैं कि टेस्ला और उसके सीईओ एलन मस्क को पता था कि उसकी इलेक्ट्रिक कारों में दोषपूर्ण ऑटोपायलट सिस्टम हैं, लेकिन फिर भी उन्होंने ईवी को उन क्षेत्रों में चलाने की अनुमति दी जो सुरक्षित नहीं हैं।

फ्लोरिडा मुकदमा मियामी में 2019 की दुर्घटना के बाद दायर किया गया था, जब स्टीफन बैनर का मॉडल 3 एक 18-पहिया ट्रक के ट्रेलर के नीचे चला गया था, जो सड़क पर पलट गया था, इससे टेस्ला कार की छत कट गई और बैनर की मौत हो गई। टेकक्रंच की रिपोर्ट के अनुसार, जज स्कॉट के इस निष्कर्ष का कि टेस्ला के शीर्ष प्रबंधन को खामियों के बारे में पता था, इसका मतलब यह भी हो सकता है कि मस्क को गवाही देनी होगी। फैसले के अनुसार, टेस्ला ने उत्पादों को स्वायत्त के रूप में विपणन किया और ऑटोपायलट के बारे में मस्क के सार्वजनिक बयानों का उत्पादों की क्षमताओं के बारे में विश्वास पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा। फैसले का मतलब है कि जिस व्यक्ति की टेस्ला के ऑटोपायलट के साथ टक्कर में मौत हो गई, उसका परिवार मुकदमा चला सकता है और जानबूझकर कदाचार और घोर लापरवाही के लिए टेस्ला से दंडात्मक हर्जाना मांग सकता है। अगस्त में, एक महिला ने अमेरिका में टेस्ला पर मुकदमा दायर किया, जब उसके पति की 2020 में मॉडल 3 वाहन से हुई दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। 46 वर्षीय ज्युंग वू हैन की 12 मार्च, 2022 को न्यूयॉर्क में मृत्यु हो गई, जब उनकी टेस्ला कार में खराबी आ गई और वह एक पेड़ से टकराकर आग की लपटों में घिर गई।

बुखार से पीड़ित होने के बावजूद रुतुजा ने स्मृति को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

बेंगलुरु, एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपना पहला पेशेवर टूर्नामेंट खेल रही भारत की रुतुजा भोसले को अपनी युवा प्रतिद्वंद्वी स्मृति भसीन को हराकर आईटीएफ महिला विश्व टेनिस टूर के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने से पहले अपने स्वास्थ्य के साथ संघर्ष करना पड़ा। पहले दौर के मैच में तीसरी वरीय रुतुजा ने स्मृति को 6-4, 7-5 से हराया। अन्य वरीयता प्राप्त खिलाड़ी भी अंतिम 16 चरण में पहुंच गए, जिसमें शीर्ष वरीयता प्राप्त उज्बेकिस्तान की निगिना अब्दुरईमोवा ने एकातेरिना याशिना पर 6-2, 6-3 से जीत दर्ज की, जबकि दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड की लानलाना तारारुडी ने मेजबान देश की शर्मादा बालू को 6-0, 6-1 से हराया। पांचवीं वरीयता प्राप्त झिबेक कुलम्बायेवा को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से जीत हासिल करने से पहले तनीषा कश्यप के थोड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। आठवीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड की पुन्निन कोवापिटुकटेड ने सौम्या विग को 6-0, 6-1 से हरा दिया। दिन के एक उल्लेखनीय परिणाम में, प्रांजला यादलापल्ली ने 20 महीने के बाद एक्शन में वापसी करते हुए वंशिता पठानिया को सीधे सेटों में 6-1, 6-0 से हराया और दिखाया कि उन्होंने लय नहीं खोई है। रुतुजा, जो हल्के बुखार के साथ उठीं, कोर्ट पर जाने में कामयाब रहीं और अच्छी फॉर्म में दिखीं और शुरुआती गेम में ब्रेक के साथ शुरुआत की और अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए 2-0 से बढ़त भी बना ली।

अर्जेंटीना की दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में ब्राजील के खिलाफ ऐतिहासिक जीत

रियो डी जेनेरो (ब्राजील)।

फीफा विश्व कप क्वालीफायर में अपने घरेलू मैदान पर कभी नहीं हारने का ब्राजील का गौरव उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी अर्जेंटीना ने खत्म कर दिया, क्योंकि लियोनल स्कालोनी की टीम ने प्रसिद्ध माराकाना स्टेडियम में फीफा 2026 विश्व कप दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में ब्राजील को 1-0 से हरा दिया। । निकोलस ओटामेंडी के ज़बरदस्त हेडर ने इस मुकाबले में अंतर साबित किया जिसमें जोएलिंटन को बाहर भेज दिया गया। इसने अर्जेंटीना को शीर्ष स्थान पर बनाए रखा और ब्राजील को उसके पिछले चार मुकाबलों में केवल एक अंक के साथ छठे स्थान पर गिरा दिया। ब्राज़ील ने गेंद पर कब्जा करने के इरादे से मैच शुरू किया, लेकिन घरेलू टीम ने उल्लंघन और उच्च दबाव से खेल को स्थायी रूप से बाधित कर दिया। ख़तरनाक स्थितियाँ सामने नहीं आईं और पहले आधे घंटे के दौरान हमले तेज़ी से फीके पड़ गए। रफिन्हा की फ्री किक ने 38वें मिनट में एमिलियानो मार्टिनेज को पहली बार उड़ान भरने के लिए भेजा, हालांकि उनका शॉट क्रॉसबार के ऊपर से चला गया। ड्राइवर के रूप में डी पॉल और लो सेल्सो के साथ, अर्जेंटीना ने ब्राजील के रक्षात्मक ब्लॉक को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन एलिसन को चिंतित करने के लिए पर्याप्त गहराई हासिल नहीं की। पहले हाफ के अंत में, मार्टिनेली क्षेत्र के किनारे से एक शॉट के साथ गतिरोध को तोड़ने में सक्षम था, लेकिन क्रिस्टियन रोमेरो ने लाइन पर अर्जेंटीना के गोल को बचा लिया। इसलिए, दोनों टीमें बिना किसी गोल के हाफटाइम में गईं। दूसरे हाफ में मैच की शुरुआत ब्राजीलियाई टीम के लिए अच्छी रही. पहले कुछ मिनटों के दौरान वे आगे बढ़े और मार्टिनेली के पैरों पर स्पष्ट कार्रवाई की जिसे डिबू मार्टिनेज नियंत्रित करने में कामयाब रहे। लेकिन बड़ा झटका खेल के 63वें मिनट में बायीं ओर से एक कोने से लगने वाला थाः लो सेल्सो ने क्रॉस को अंजाम दिया और ओटामेंडी ने ऊपर से पूरी तरह से जीत हासिल की और एक सटीक हेडर के साथ स्थिति 1-0 कर दी। परिणाम अपने पक्ष में होने के कारण, अर्जेंटीना प्रतिद्वंद्वी के खेल को बेअसर करने में कामयाब रहा और उसे कोई बड़ा उलटफेर नहीं करना पड़ा।दक्षिण अमेरिकी विश्व कप क्वालीफायर के पूरे इतिहास में ब्राज़ील एकमात्र ऐसी टीम

थी जो मंगलवार के मैच तक अपने घर में कभी नहीं हारी थी, जिसमें अर्जेंटीना ने उन्हें 1-0 से हराकर मेजबान के रूप में बिना हार के 65 मैचों के अपराजित रिकॉर्ड को छीन लिया। पूरे क्वालीफायर के दौरान, ब्राज़ीलियाई लोगों ने 65 घरेलू मैच खेले, जिनमें से उन्होंने 52 जीते और केवल 13 बराबरी पर रहे, इसके अलावा मंगलवार की हार हुई।

क्रिकेटर वेंकटेश अय्यर की श्रुति रघुनाथन के साथ हुई सगाई

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया के क्रिकेटर वेंकटेश अय्यर की श्रुति रघुनाथन के साथ सगाई हो गई है। अब वह जीवन की 'नई पारी' खेलने के लिए तैयार हैं। वेंकटेश की श्रुति रघुनाथन के साथ हुई सगाई का फोटो मध्य प्रदेश के इस क्रिकेटर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इस फोटो में ग्रीन कलर का कुर्ता पहने वेंकटेश और पर्पल कलर की साड़ी पहने श्रुति, एक-दूसरे के साथ हैं। पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'जिंदगी के अगले चेप्टर की ओर। कई क्रिकेटरों ने इस मौके पर वेंकटेश को बधाई दी है जिसमें अर्शदीप सिंह, अवेश खान, मनदीप सिंह, श्रेयस अय्यर, नमन ओझा और युजवेंद्र चहल प्रमुख रूप से शामिल हैं। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में जन्मे 28 वर्षीय वेंकटेश ने भारत की ओर से दो वनडे और 9 टी20 मैच खेले हैं।बाएं हाथ से आक्रामक बैटिंग के साथ मध्यम तेज गेंदबाजी भी करने वाले वेंकटेश को शॉर्टर फॉर्मेट के बेहतरीन प्लेयरों में शुमार किया जाता है। दो वनडे इंटरनेशनल में 24 रन उन्होंने बनाए हैं। 9 टी20 आई की सात पारियों में दो बार नाबाद रहते

हुए 33.25 के औसतसे 133 रन और 15.00 के औसत से पांच विकेट उनके नाम पर दर्ज हैं। टी20 आई में नाबाद 35 रन और 23 रन देकर दो विकेट, वेंकटेश को बैटिंग और बॉलिंग का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम से वेंकटेश खेलते रहे हैं। आईपीएल के 36 मैचों में अब तक उन्होंने 28.12 के औसत और 130.25 के स्ट्राइक रेट से 956 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक हैं, तीन विकेट भी उन्होंने हासिल किए हैं। मध्य प्रदेश की ओर से 12 प्रथम श्रेणी मैचों में उन्होंने 32.50 के औसत से 585 रन बनाए हैं जिसमें छह अर्धशतक हैं।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स 10 से 17 दिसंबर तक होंगे

नई दिल्ली। खेलो इंडिया पैरा गेम्स का पहला संस्करण 10-17 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें 32 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 1350 से अधिक प्रतिभागी 7 तरह के खेलों में भाग लेंगे। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा, बहुत खुशी और संतुष्टि के साथ मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स का पहला संस्करण 10 से 17 दिसंबर तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। 32 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 7 विषयों में भाग लेने वाले 1350 से अधिक प्रतिभागियों के साथ यह हमारे देश में पैरा-स्पोर्ट्स को बेहतर बनाने और प्रतिभाशाली विशेष रूप से विकलांग एथलीटों की पहचान करने और उनकी सहायता करने की हमारी खोज में एक गेम-चेंजर साबित होने जा रहा है। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स का पहला संस्करण सफल होगा और मैं आगामी खेलों के लिए पैरा-एथलीटों को शुभकामनाएं देता हूं। 29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य के साथ भारतीय पैरा-एथलीटों ने 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक आयोजित हांग्जो एशियाई खेलों में सक्षम एथलीटों द्वारा जीते गए 107 के रिकॉर्ड से चार पदक अधिक जीते। पदक तालिका में भारत चीन (521 पदक : 214 स्वर्ण, 167 रजत, 140 कांस्य), ईरान (44 स्वर्ण, 46 रजत, 41 कांस्य), जापान (42, 49, 59) और कोरिया (30, 33, 40)) से नीचे पांचवें स्थान पर रहा, जो अपने आप में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

26वीं बार पंकज आडवाणी बने विश्व बिलियर्ड्स चैंपियन, फिर जीता खिताब

दोहा ।

भारत के दिग्गज क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी 26वीं बार विश्व बिलियर्ड्स चैंपियन घो षित किए गए हैं। पंकज ने मंगलवार को यहां फाइनल में हमवतन सौरव कोठारी को हराकर 26वीं बार आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। शुरुआती घंटे में 26-180 से पिछड़ने के बाद आडवाणी ने कुआलालंपुर में पिछले साल के खिताबी मुकाबले की पुनरावृति में 2018 के विश्व चैंपियन कोठारी को 1000-416 से हराया। कोठारी शुरुआती बढ़त बनाने के बाद मजबूत स्थिति में थे लेकिन कुछ मौकों पर उन्होंने आसान गल्तियां करके आडवाणी को वापसी करने का मौका दिया। आडवाणी ने इसके बाद 150 से अधिक अंक के कुछ ब्रेक के साथ अपनी स्थिति मजबूत की जबकि कोठारी मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रहे। आडवाणी ने एक बार मैच का सर्वोच्च 214 अंक का ब्रेक भी बनाया जिसके बाद उन्हें जीत दर्ज करने में अधिक परेशानी नहीं हुई। हालांकि वापसी करने के बाद आडवाणी ने मैच में अधिकांश समय 250 अंक के आसपास की बढ़त बनाए रखी। कोठारी ने इस बीच 99 के ब्रेक से आडवाणी की बढ़त को 150 रन तक सीमित किया बेंगलुरू के आडवाणी ने हालांकि इसके बाद 199 के अटूट ब्रेक के साथ

1000 अंक के आंकड़े को छूकर जीत दर्ज की। अपनी जीत के बाद आडवाणी ने कहा कि मैं पहले भी जीत चुका हूं इसलिए मुझे इस अहसास के बारे में पता है लेकिन वर्ष दर वर्ष कई बार इसे जीतना कौशल, शरीर और दिमाग पर की गई घंटों की कड़ी मेहनत को सही साबित करता है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए निरंतरता सफलता की कुंजी है और देश के लिए विश्व खिताब जीतने को लेकर मैं सबसे अधिक प्रेरित होता हूं। आडवाणी अब विश्व बिलियर्ड्स चैंपियन के अगले टूर्नामेंट में खेलेंगे जो छोटे प्रारूप (150 अप) में होगा।

संक्षिप्त समाचार

टॉवेल हाथ में लेकर अमेलिया केर ने थ्रो पकड़ा तो लग गया जुर्माना

सिडनी ।

महिला बिश बैश लीग के दौरान टॉवेल हाथ में लेकर अमेलिया केर ने थ्रो पकड़ा तो उन पर जुर्माना लग गया। दरअसल क्रिकेट फैंस को यह अजब घटना उस समय देखने को मिली जब न्यूजीलैंड की क्रिकेटर अमेलिया केर ने हाथ में टॉवेल लिए ही थ्रो पकड़ लिया था। अंपायरों ने इसे गलत माना और उनकी टीम को पांच रन की पेनल्टी लगा दी। मिली जानकारी के अनुसार उक्त घटना ब्रिस्बेन हीट बनाम सिडनी सिक्सर्स में मैच के दौरान हुई। ब्रिस्बेन हीट पहले खेलते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 176 रन बना चुकी थी। जवाब में जब सिक्सर्स ने 9 ओवर में 2 विकेट खोकर 70 से ज्यादा रन बना लिए थे तो यह घटना घट गई। दरअसल, अमेलिया ने 10वें ओवर की पहली गेंद एश्ले गार्डनर को फेंकी जिसे बैटर ने मिड ऑन की ओर धकेलकर एक रन ले लिया। मिड ऑन की ओर से जब फील्डर ने गेंद वापस फेंकी तो तब तक गेंद को औस से बचाने के लिए अमेलिया ने अपनी पायजामे में टंगा टॉवेल निकाल लिया था। उन्होंने हाथ में टॉवेल लिए ही थ्रो पकड़ ली और उसे साफ करने लगी। यह सब अंपायर ने देखकर उन्हें तुरंत ही रोक दिया। और पांच रन की पेनल्टी लगा दी।

हारिस राउफ ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से अपना नाम वापस लिया

कराची ।

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राउफ ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से अपना नाम वापस ले लिया, जिसके बाद मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज ने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय कर्तव्यों को प्राथमिकता देने के लिए चेतावनी जारी की है। रियाज ने ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए 18 सदस्यीय टीम की घोषणा कर कहा कि राउफ को पाकिस्तान के लिए खेलने की जरूरत है। रियाज ने कहा कि दो दिन पहले उन्होंने (राउफ) हमें बताया था कि वह टेस्ट श्रृंखला के लिए उपलब्ध हैं, लेकिन कल रात उसने अपने कार्यभार और फिटनेस पर चिंता जताकर खुद अनुपलब्ध करार दिया। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तान टीम के नवनियुक्त निदेशक मोहम्मद हफीज के साथ राउफ से विस्तृत बातचीत की। रियाज ने कहा कि मैंने और हफीज ने उनसे (राउफ) विस्तार से बात की और उन्हें बताया कि कप्तान और कोच दोनों चाहते है कि वह ऑस्ट्रेलिया में खेले, क्योंकि वह एक प्रभावशाली गेंदबाज है। उन्होंने कहा कि हमने उन्हें आश्वासन दिया कि वह ऑस्ट्रेलिया में एक दिन में 10-12 ओवर से ज्यादा गेंदबाजी नहीं करेंगे। बाएं हाथ के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि हमने टीम के फिजियो और ट्रेनर से भी बात की और उन्होंने कहा कि राउफ को कोई फिटनेस समस्या नहीं है और ऑस्ट्रेलिया में उनके साथ कोई समस्या नहीं होगी। केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी के रूप में हमें लगा कि उन्हें अपने कदम पीछे नहीं हटाने चाहिए थे। पहला टेस्ट मैच 14-18 दिसंबर के बीच पर्थ में खेला जाएगा, दूसरा टेस्ट मैच 26-30 दिसंबर के बीच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड और तीसरा और आखरी टेस्ट मैच 3-7 जनवरी के बीच सिडनी में खेला जाएगा।

भारतीय खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई पर शोएब अख्तर ने की पीएम मोदी की तारीफ

नई दिल्ली।

विश्व कप फाइनल हारने के बाद भारतीय टीम की हौसलाअफजाई के लिए पीम मोदी ने खिलाड़ियों से मुलकात की। इसकी पो किस्तानी खिलाड़ी शोएब अख्तर ने जमकर तारीफ की है। गौरतलब है कि उस समय पीएम नरेंद्र मोदी भी स्टेडियम में थे। वह मैच में हार से निराश टीम इंडिया के पास ड्रेसिंग रूम पहुंचे और खिलाड़ियों से बात की। उन्होंने टीम का उत्साह बढ़ाया और हौसला दिया। पीएम मोदी के इस रूप की पाकिस्तान क्रिकेट टीम के महान तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने तारीफ की।

बता दें कि एक ओर जहां शाहिद अफरीदी सहित तमाम पाकिस्तानी पीएम मोदी की खिलाफत करते हैं और विवादित बयान देते रहते हैं ऐसे में शोएब अख्तर का बयान उनके दिलों में तीर सा लगा होगा। क्रिकेट विश्व कप 2023 की हार के बाद ड्रेसिंग रूम में भारतीय क्रिकेट टीम के सितारों से मिलने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि पीएम ने बताया कि वह खिलाड़ियों के साथ खड़े हैं। पीएम मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनका मनोबल बढ़ाया।

इसके बाद रविंद्र जडेजा और मोहम्मद शमी जैसे कई खिलाड़ियों ने विश्व कप फाइनल के बाद मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। अख्तर ने बताया कि पीएम मोदी से इस मुश्किल वक्त में मिलना क्रिकेटरों के लिए कितना मायने रखता होगा, क्योंकि यह उन सभी के लिए एक कठिन दौर था।

दिल तोड़ने वाली हार के बाद उन्हें उस समर्थन की जरूरत है। शोएब अख्तर ने एक शो में कहा- आपके प्रधानमंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया कि वह खिलाड़ियों के साथ हैं। यह एक बड़ा इशारा था। यह एक संदेश था कि भारत एक राष्ट्र के रूप में भारतीय क्रिकेट टीम के साथ खड़ा है।

यह बहुत ही शानदार बात है। यह वास्तव में उनके लिए एक भावुक समय है। उन्होंने उन्हें (खिलाड़ियों को) अपने बच्चों के रूप में लिया और उन्होंने उनका मनोबल बढ़ाकर उन्हें बताया कि उन्होंने अच्छा खेला।

विश्व कप क्वालीफायर में चीन पर जीत के बाद दक्षिण कोरिया की नजर एशिया कप पर

शेनझेन । दक्षिण कोरिया ने मंगलवार को यहां 2026 फीफा विश्व कप एशियाई जोन क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के दूसरे चरण के ग्रुप सी में चीन को 3-0 से हराकर अगले साल का एशिया कप जीतने का लक्ष्य रखा है। दक्षिण कोरिया के डिफेंडर किम मिन-जे ने मैच के बाद कहा, यह महत्वपूर्ण है कि हम कड़ी मेहनत करना जारी रखें और उम्मीद है कि हम एशिया कप ट्रॉफी घर वापस ला सकते हैं।शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया के मुख्य कोच जर्गेन क्लिंसमैन ने भी एशिया कप जीतने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया।क्लिंसमैन ने कहा, ÷हमारे पास बहुत सारी प्रतिभाएं हैं, हमारे पास बहुत सारे गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं। विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना एक मैराथन है, हमारा लक्ष्य यह मैच जीतना है और फिर हम एशिया कप जीतने की कोशिश करेंगे। जनवरी 2024 में कतर में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए दक्षिण कोरिया हमेशा से प्रबल दावेदारों में से एक है। टीम ने लगातार छह मैचों में एक भी गोल नहीं खाया है। किम ने कहा, हमें वह परिणाम मिला जो हम चाहते थे और हमने कोई गोल नहीं खाया, यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। दक्षिण कोरिया के कप्तान सोन ह्युंग-मिन ने पूरे 90 मिनट तक खेला, और शेनझेन में अपनी टीम की जीत के लिए एक और गोल किया। 31 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि एशिया कप में कोई भी मैच आसान नहीं होगा। उन्होंने जोर देकर कहा, एशिया कप वास्तव में कठिन होने वाला है क्योंकि हमेशा कुछ पसंदीदा टीमें होंगी और सभी एशियाई टीमें टूर्नामेंट जीतना चाहती हैं। आपको प्रत्येक खिलाड़ी और प्रशंसकों से बहुत प्रयास करना होगा।

159 रन बनाकर सूर्यकुमार यादव तोड़ेंगे 2000 रन बनाने वालों का रिकार्ड

-बाबर आजम और विराट कोहली का महारिकॉर्ड तोड़कर हो जाएंगे दोनों के आगे

नई दिल्ली ।

भारतीय होनहार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव यदि टी-20 में 159 रन बना लेते हैं तो उनके नाम एक नया रिकार्ड हो जाएगा। वह 2000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों का रिकार्ड तोड़कर आगे बढ़ जाएंगे। जानकारी के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 23 नवंबर से विशाखापत्तनम में शुरू होने वाली आगामी टी20 सीरीज में बाबर आजम और हमवतन विराट कोहली के कई रिकॉर्ड तोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्हें टी-20 इंटरनेशनल में 2000 रन बनाने वाले सबसे तेज बल्लेबाज होने के बाबर के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए अपनी अगली पारी में 159 रनों की आवश्यकता है। जानकार बता रहे हैं कि यदि सूर्यकुमार अपनी अगली दो पारियों में 159 रन बनाता है, तो वह 52 पारियों में बाबर और मो. रिजवान के संयुक्त सबसे तेज बल्लेबाज की बराबरी कर लेंगे। अगर सूर्यकुमार अपने अगले पांच मैचों में 159 रन बना लेता है, तो वह टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले भारतीय होने के कोहली के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे। उन्होंने 50 टी-20 इंटरनेशनल पारियों में 46 की औसत और 172.7 की शानदार स्ट्राइक रेट से 1841 रन बनाए हैं। सूर्यकुमार ने इस दौरान तीन शतक भी बनाए हैं। आखिरी शतक इस जनवरी में राजकोट में श्रीलंका के खिलाफ है। रोहित शर्मा के पहले ही सबसे छोटे प्रारूप से बाहर होने और हार्दिक पंड्या के टखने की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया टी20 इंटरनेशनल के लिए स्काई को कप्तान नियुक्त किया गया है। सूर्यकुमार को वनडे विश्व कप में अपने प्रदर्शन के लिए काफी आलोचना मिली है, वह सात पारियों में 17.66 की निराशाजनक औसत से केवल 106 रन ही बना सके। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे महत्वपूर्ण फाइनल में वह धीमी पिच पर 28 गेंदों पर सिर्फ 18 रन बना सके और भारत को सम्मानजनक स्कोर तक ले जाने में असफल रहे। अहमदाबाद में विश्व कप फाइनल में भारत की उसी टीम से हार के ठीक चार दिन बाद ऑस्ट्रेलिया टी-20 इंटरनेशनल शुरू हुआ है।

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ ऑलराउंडर शेरफेन रदरफोर्ड और मैथ्यू फोर्ड को शामिल किया

शेन डाउरिच और केजॉर्न ओटले की टीम में वापसी

सेंट जोन्स ।

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ अगले महीने होने वाली एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला के लिए ऑलराउंडर शेरफेन रदरफोर्ड और मैथ्यू फोर्ड के रूप में दो नए चेहरे अपनी 15 सदस्यीय टीम में शामिल किए हैं। विकेटकीपर शेन डाउरिच और सलामी बल्लेबाज केजॉर्न ओटले की टीम में वापसी हुई है। डाउरिच ने अपना एकमात्र वनडे मैच 2019 में खेला था जबकि ओटले ने जनवरी 2021 में दो वनडे मैच खेले थे। शाई होप की अगुवाई वाली टीम इंग्लैंड के खिलाफ तीन और छह दिसंबर को एंटीगा और नौ दिसंबर को बारबाडोस में वनडे मैच खेलेगी। इसके बाद दोनों टीम के बीच पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी। विंडीज टीम ने आखिरी बार इंग्लैंड से साल 2007 में वनडे सीरीज जीती थी। विंडीज के लिए तब प्लेयर ऑफ द सीरीज शिवनारायण चंद्रपाल रहे थे जिन्होंने तीन वनडे मैचों में 202 रन बनाए थे। इसके बाद लगातार विंडीज को इंग्लैंड के हाथों हार झेलनी पड़ी है। 2018 में जरूर विंडीज ने 5 मैचों की सीरीज ड्रा करवा ली थी लेकिन वह इंग्लैंड को हराने में कामयाब नहीं हुई थी। आखिरी बार दोनों क्रिकेट विश्व कप 2019 में भिड़े थे जहां इंग्लैंड को ही जीत मिली

थी। उसके बाद से दोनों ने कभी वनडे नहीं खेला है।

वनडे श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की टीमः शाई होप (कप्तान), एलिक अथानाज़े, यानिक कारिया, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज़, शेन डाउरिच, मैथ्यू फोर्डे, शिम्रोन हेटमायर, अल्ज़ारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोटी, केजोर्न ओटले, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, ओशाने थॉमस।

डीएफसी ने करीबी मुकाबले में लाजोंग के खिलाफ झेली हार

चंडीगढ़। आईलीग सीजन 2023-24 में दिल्ली एफसी (डीएफसी) ने शिलोंग लाजोंग का सामना किया, लेकिन टीम करीबी मुकाबले में 2-1 से चूक गई। घर से बाहर खेले मैच में डीएफसी की क्षमता की परीक्षा हुई, क्योंकि उन्हें शिलोंग से कड़ी टक्कर मिली। शुरुआत से ही दिल्ली एफसी ने अच्छा प्रदर्शन किया और गोल के मौके तलाशे। मेजबान शिलोंग लाजोंग की टीम भी जवाब में बॉल पर कंट्रोल बनाती रही। 23वें मिनट में उन्हें पहली सफलता मिली और उन्होंने बढ़त बना ली। डीएफसी ने निडर होकर गेम खेलना जारी रखा और वे स्कोर बराबर करने का प्रयास करते रहे। पहले हाफ के अंत तक स्कोर 1-0 ही रहा। दूसरे हाफ में डीएफसी ने अपनी गेम को बदला और अटैक किया। 60वें मिनट में उन्हें पहली कामयाबी मिली और गौरव रावत ने गोल करते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर किया। डीएफसी ने अपने फैंस को खुश होने का मौका दे दिया। गेम अभी जारी था और दोनों टीमों ने अच्छा गेम खेला। शिलोंग लाजोंग ने 20 मिनट बाद डीएफसी को चौकाया। फैंस को निराशा हुई और 82वें मिनट में मेजबान टीम ने डीएफसी के को 2-1 से पीछे कर दिया। डीएफसी ने इसके बाद लगातार आक्रमण किया, लेकिन वे गोल नहीं कर सके। टीम ने बहादुरी के साथ लड़ाई लड़ी और सिर ऊंचा करके मैदान छोड़ा। अंत में नतीजा वह नहीं हो सकता जो डीएफसी चाहती थी, लेकिन उन्हें टीम के प्रदर्शन पर गर्व हो सकता है क्योंकि घर से दूर खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है खासकर शिलोंग के शानदार माहौल में। डीएफसी के खिलाड़ियों ने दृढ़ संकल्प दिखाया और आगामी मैचों में मजबूत होकर वापसी करने के लिए इस अनुभव को अपनाएंगे। डीएफसी अपने अगले गेम से पहले वापसी करने और अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौटने के लिए प्रतिबद्ध है। वे अपनी रणनीतियों को बेहतर बनाने और अपनी ताकत का फायदा उठाने के लिए दृढ़ हैं, और जीत की राह में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मांडू

प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग

मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित मांडू एक खूबसूरत, प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण आकर्षक पर्यटन स्थल है। यह शहर प्रेम, आनन्द और उल्लास का प्रतीक है। विंध्य की पहाड़ियों में 2000 फीट की ऊंचाई पर स्थित मांडू 10वीं शताब्दी में मालवा के परमार राजाओं की राजधानी रहा। लगभग 13वीं शताब्दी तक उस पर मालवा के सुल्तान का शासन रहा। यह शहर रानी रूपमती और बादशाह बाज बहादुर के अमर प्रेम का साक्षी है। मांडू की भूमि सदैव रानी रूपमती और राजा बाज बहादुर के प्रेम गीतों को गुनगुनाती-सी प्रतीत हो ती है। अकबर ने मालवा के अंतिम शासक बाज बहादुर को हराकर इसे अपनी मुगल सल्तनत में मिला लिया था। यहां के खंडहर और इमारतें हमें इतिहास के उस झरोखे का दर्शन कराते हैं जिसमें मांडू के शासन की विशाल समृद्ध विरासत और शान- ओ-शौकत की दास्तान दिखती है। मांडू की प्राकृतिक खूबसूरती के कारण इसे प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग कहा जाता है। शहर के ऐतिहासिक महत्व एवं प्रेम से जुड़ी अनेक गाथाओं के कारण इसे खुशियों का शहर भी कहा जाता है। यहां अनेक ऐतिहासिक महलों, इमारतों, मस्जिदों तथा भव्य स्मारकों का दीदार किया जा सकता है। मालवा के स्वर्ग यानी मांडू अथवा मांडवगढ़ की जानते हैं कुछ विशेषताएं

जहाज महल: यह 120 मीटर लम्बा दो मंजिला जहाज के आकार का एक खूबसूरत महल है। पानी के बीच में स्थित यह महल तैरता हुआ-सा प्रतीत होता है। इसका निर्माण गयासुद्दीन खिलजी द्वारा किया गया था। चांदनी रात में इस महल की छटा देखते ही बनती है।

हिंडोला महल: यह जहाज महल के उत्तर में स्थित है। गयासुद्दीन खिलजी ने इसका नाम 'हिंडोला महल' रखा था, क्योंकि यह झूलता हुआ प्रतीत होता है। इस महल में एक विशाल सभागार है। महल के आगे के हिस्से की सजावट व संगमरमर के पत्थरों पर की गई सूक्ष्म जालीदार नक्काशी अपने आप में अनूठी है। इसकी कला अपने में एक मिसाल है।

बाज बहादुर पैलेस : यह 16वीं शताब्दी में निर्मित एक आकर्षक महल है। इस महल के बड़े-बड़े हालनुमा कमरे, अनेक छज्जे तथा चबूतरे इसकी खूबसूरती को कई गुना बढ़ा देते हैं। महल के बीचोबीच एक खूबसूरत कुंड है। महल की छत से आसपास के दृश्य की मनमोहकता दिलोदिमाग को ताजगी का अहसास करा देती है। पर्यटक यहां से प्रकृति से रूबरू हो जाते हैं।

रूपमती मंडप : यह मंडप रानी रूपमती के लिए राजा बाज बहादुर द्वारा बनवाया गया था। इस स्थान पर आकर रूपमती प्रतिदिन नर्मदा नदी के दर्शन किया करती थी। इस स्थान का प्राकृतिक सौन्दर्य अपने आप में अनूठा है। यहां से प्रकृति का दिलकश नजारा लेने में आनंद की अनुभूति होती है।

रेवा कुंड : इस जलाशय का निर्माण राजा बाज बहादुर द्वारा कराया गया था जो रानी रूपमती के महल में पानी समुचित व्यवस्था के लिए था।

होशंगाह का मकबरा : यह भारत की अनूठे किस्म के संगमरमर की इमारत है जो अफगान स्थापत्य कला का सुंदर नमूना है। इमारत के चारों कोनों पर विशाल स्तम्भ स्थित है।

कब जाएं

मांडू जाने का सबसे अच्छा मौसम जुलाई से मार्च तक का है। वैसे बारिश के मौसम में यहां का सौन्दर्य देखते ही बनता है। इस समय पर्यटक प्रकृति से पूरी तरह से रूबरू होकर आनंदविभोर जाते हैं।

कैसे जाएं

हवाई, रेल और सड़क मार्ग की अच्छी सुविधा है। यहां का निकटतम हवाई अड्डा इंदौर है जो लगभग 100 किलोमीटर दूर है। यह देश के बड़े हवाई अड्डों से जुड़ा है। मांडू का निकटतम रेलवे स्टेशन 100 किलोमीटर तथा रतलाम 124 किलोमीटर दूर है। सड़क मार्ग द्वारा इंदौर, उज्जैन, भेपाल, ग्वालियर, खजुराहो आदि स्थानों से मांडू पहुंच सकते हैं।

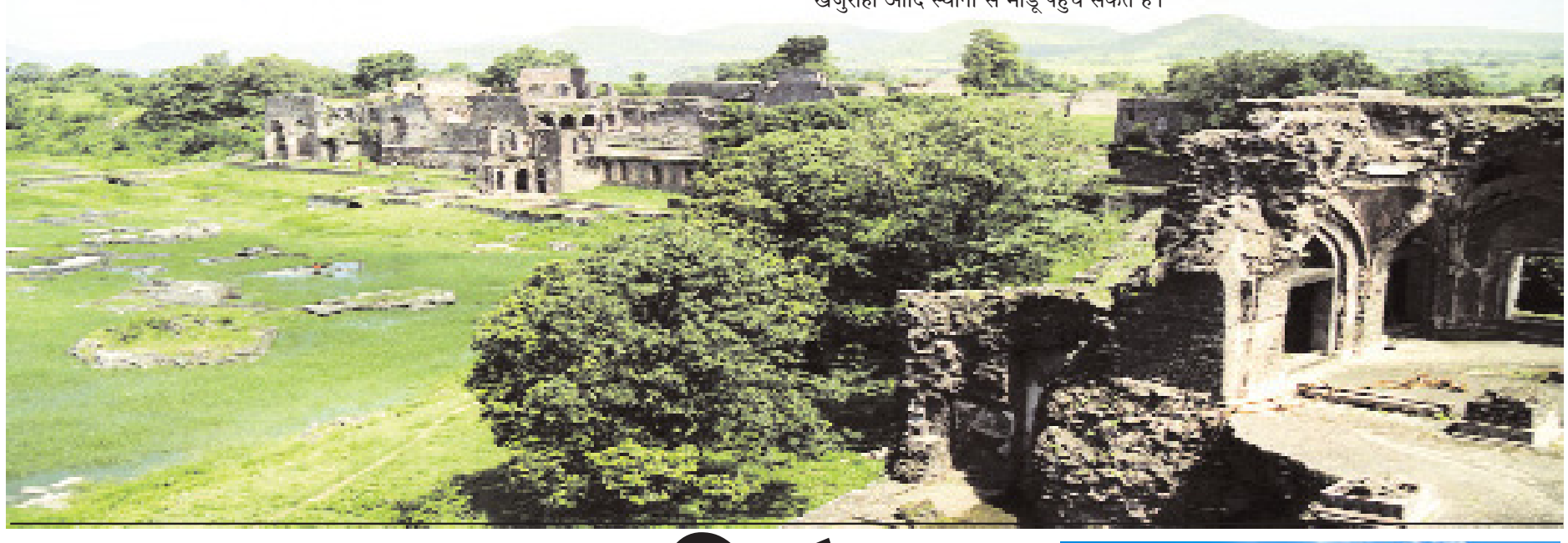

थाईलैंड

एक तरह का राम राज्य है

थाईलैंड में एक तरह से राम राज्य है वहां के राजा को भगवान श्रीराम का वंशज माना जाता है लेकिन भगवान राम के नाम को लेकर वहां कोई धार्मिक विद्वेष अथवा असहिष्णुता नहीं है। भारतीय संस्कृतिक धार्मिक विरासत से जुड़े थाईलैंड में राजा को भगवान का प्रहरी माना जाता है तथा बौद्ध मतावलंबी आबादी वाले इस देश में न केवल बौद्ध मठों बल्कि हिन्दू मंदिरों तथा गिरिजाघरों में भी भगवान की प्रतिमाओं तथा चित्रों के दोनों तरफ सैनिक वेशभूषा में काशी नरेश की भगवान के प्रहरी के रूप में चित्र तथा मूर्तियां लगी रहती हैं।

थाईलैंड आने वाले सैनानियों को यह बात अवश्य ही आश्चर्यचकित करती है कि वहां स्त्रियों तथा पुरुषों के लिए अभिवादन करने के शब्द अलग-अलग हैं। नरेश ऊदयादेव को नौवें राम की पदवी दी गई है। थाईलैंड में संवैधानिक लोकतंत्र की स्थापना 1932 में हुई। भगवान राम के वंशजों की यह स्थिति है कि उन्हें निजी अथवा सार्वजनिक तौर पर कभी भी विवाद या आलोचना के घेरे में नहीं लाया जा सकता है वे पूजनीय हैं।

थाई शाही परिवार के सदस्यों के सम्मुख थाई जनता उनके सम्मानार्थ सीधे खड़ी नहीं हो सकती है बल्कि उन्हें झुक कर खड़े होना पड़ता है। 75 वर्षीय काशी नरेश आधुनिक थाईलैंड के निर्माता माने जाते हैं। वैज्ञानिक चित्रकार तथा अंग्रेजी संगीत के मर्मज्ञ थाई नरेश थाईलैंड की राजनैतिक व्यवस्था में स्थायित्व के प्रतीक हैं। राजकुमार महाकाशी रांगलोंजकोर्स उनके उत्तराधिकारी हैं। उनकी तीन पुत्रियों में से एक हिन्दू धर्म की मर्मज्ञ मानी जाती हैं।

लगभग 6 करोड़ 20 लाख की आबादी वाले थाईलैंड की 94 प्रतिशत आबादी बौद्ध मतावलंबी है, चार प्रतिशत आबादी मुसलमानों, ईसाइयों, हिन्दुओं तथा अन्य मतावलंबियों की है। थाईलैंड के बौद्ध मठों में विशेषतौर पर भगवान बुद्ध की प्रतिमा के दोनों तरफ थाई नरेश की सैन्य वस्त्रों में रक्षक के रूप में मूर्तियां देखकर सैलानी कौतूहल से भर उठते हैं।

चिआंग माशी में भगवान बुद्ध की प्रतिमा के दोनों तरफ ऐसी ही थाई नरेश की सैन्य वस्त्रों में सुसज्जित प्रहरी के रूप में खड़ी प्रतिमाएं हैं। इस मठ की एक विशेषता भारत से लाए गए पांच बौद्ध वृक्षों में से एक विशाल बोधि वृक्ष है यह बोधि वृक्ष भारत से लाकर खासतौर पर थाईलैंड के तीन प्रांतों में रोपा गया है।

इस मठ में बड़ी तादाद में भारतीय श्रद्धालु खासतौर पर इस बोधि वृक्ष को देखने आते हैं। थाई संस्कृति की एक अन्य विशेषता स्त्रियों तथा पुरुषों के अभिवादन का अलग-अलग तरीका है। थाई महिला अगर आपका स्वागत करती है तो वह हाथ जोड़ कर स्वाकी रक्षा कहेगी लेकिन पुरुष स्वाकी कास कहेंगे।

प्राकृतिक वरदान जैसा है छत्तीसगढ़ का जसपुर

छत्तीसगढ़ के पूर्वी छोर पर स्थित प्राकृतिक रूप से सुसज्जित जशपुर जिला प्राकृतिक वरदान के रूप में प्राप्त जलप्रपातों व हरीतिमा के साथ ही अपने सुहावने मौसम के लिए विख्यात है। समुद्र सतह से लगभग 2700 फीट ऊपर स्थित जशपुर जिले में दर्जनों जल प्रपात हैं। जो पर्यटकों का मन बरबस ही अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

कई पर्यटक ऐसे होते हैं जो प्रकृति की खूबसूरती के साथ ही प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता के बारे में ज्यादा जानकारी पाने की इच्छा रखते हैं और उन्हें क्रिया करते हुए देखना चाहते हैं। ऐसे पर्यटकों के लिए यह स्थल एकदम बढ़िया है।

यहां प्रकृति के उपहार के रूप में साल के बड़े-बड़े वृक्षों से आच्छादित वनों के बीच में स्थित ये जलप्रपात शांत वातावरण में अपने गतिमान जल की मधुर ध्वनि के साथ पर्यटकों को घंटों निहारने को विवश कर देते हैं। आदिवासी बाहुल्य इस जिले में रानी दाह, राजपुरी, सुलेसा, बेने, दनगरी, गुल्लू, दमेरा, महनई, कोतेबिरा आदि मुख्य जलप्रपात हैं।

जिले में कैलाश गुफा, ईब नदी, खुडियारानी, पंडरापाठ, बादरखोल अभ्यार.य, अलोरी पटिया सिरी नदी, महागिरजाघर, अवधूत भगवान राम की सिद्ध पीठ आदि अनेक

स्थल देखने लायक हैं। पर्यटक बड़े आराम से उपरोक्त स्थलों को सुगमता से देख सकते हैं। यहां का सूर्योदय व सूर्यास्त भी देखने लायक है।

वैसे तो छत्तीसगढ़ पूरा राज्य ही दर्शनीय स्थल है लेकिन जशपुर जिले का राज्य के पर्यटन मानचित्र में अलग ही स्थान है तभी तो यहां सिर्फ पर्यटकों को ही नहीं शोधार्थियों को भी देखा जा सकता है।

यदि आप यहां आना चाहते हैं तो रांची, राउरकेला, झारसुगड़ा, रायगढ़, बिलासपुर तक रेल यात्रा कर बस या किराये के टैक्सी द्वारा यहां आ सकते हैं। यहां पर पर्यटन के दौरान ठहरने की भी उचित व्यवस्था है। आप चाहें तो लोकनिर्माण भवन, वन विभाग, जल संसाधन विभाग के विश्राम गृहों में ठहर सकते हैं या फिर चाहें तो सुविधा लॉज, महामाया लॉज, श्याम लॉज तथा धर्मशालाओं में भी ठहर सकते हैं। यहां लगभग वर्ष भर ही मौसम ठीक रहता है लेकिन गर्मियों के दिनों में यहां आने से बचा जाए तो ठीक रहेगा। जशपुर छोटा किन्तु लुभावना पर्यटन स्थल है। यह जगह भले ही छोटी हो लेकिन यहां पर्यटकों को सभी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इजरायल से हमास की मांग युद्ध विराम के दौरान ड्रोन का इस्तेमाल ना करे

तेल अवीव । इजराइली बंधकों की रिहाई की शर्त के अनुसार हमास ने इजरायल से गाजा में चार दिवसीय मानवीय युद्ध विराम के दौरान ड्रोन का उपयोग नहीं करने की मांग की है। कतर मध्यस्थों के अनुसार, यह इजरायल के मोस्?ट वांटेड की सूची में सबसे ऊपर मौजूद हमास के सैन्य कमांडर याह्या सिनवार द्वारा रखी गई प्रमुख मांगों में से एक है। हमास और इजरायल बुधवार सुबह मानवीय युद्ध विराम पर सहमत हुए। कतर और अमेरिका की मध्यस्थता वार्ता के बाद इसपर सहमति बनी। सूत्रों के मुताबिक, इजरायल भी जेल में बंद गिरफ्तार फिलिस्तीनियों को रिहा करेगा। हालाँकि इजरायल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह किसी भी हत्या के आरोपी को रिहा नहीं करेगा और रिहा होने वाले कैदियों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं।

टिकटॉक पर आपत्तिजनक सामग्री पहुंचा सकती है नुकसान

–ऑनलाइन नुकसानों से कैसे निपटें अभिभावक

मेलबर्न । किशोरों द्वारा उपयोग किए जाने वाले शीर्ष सोशल मीडिया ऐप के रूप में, टिकटॉक पर आपत्तिजनक सामग्री की मौजूदगी युवा उपयोगकर्ताओं को नुकसान पहुंचा सकती है। जबकि टिकटॉक और नियामक मॉडरेशन की जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, यह अंतत: माता–पिता और उपयोगकर्ताओं पर निर्भर है कि वे इन ऑनलाइन नुकसानों से कैसे निपटें। टिकटॉक अपने सामुदायिक दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने वाली सामग्री की पहचान करने और उसे हटाने के लिए स्वचालित और मानवीय प्रयास दोनों पर निर्भर करता है। इसमें नग्नता, अश्लील साहित्य, आपत्तिजनक यौन सामग्री, गैर–सहमति वाली यौन गतिविधियां, गैर–सहमति वाली अंतरंग तस्वीरें साझा करना और यौन आग्रह शामिल हैं। टिकटॉक के सामुदायिक दिशानिर्देश कहते हैंज हम युवा लोगों द्वारा यौन गतिविधियों के लिए आकर्षक प्रदर्शन या संकेत, या किसी के द्वारा आपत्तिजनक यौन कथाओं के उपयोग की अनुमति नहीं देते हैं। हालांकि, टिकटॉक की स्वचालित मॉडरेशन प्रणाली हमेशा सटीक नहीं होती है। इसका मतलब यह है कि एलजीबीटीक्यू+ सामग्री और स्वस्थ यौन शिक्षा सामग्री जैसी लाभकारी सामग्री को गलत तरीके से हटाया जा सकता है, जबकि आपत्तिजनक, हानिकारक सामग्री दरारों से निकल जाती है। सामग्री मॉडरेशन ''एल्गोस्पीक'' जैसी उपयोगकर्ता रणनीति द्वारा और अधिक जटिल है, जिसका उपयोग अनुचित सामग्री का पता लगाने के लिए लगाए गए एल्गोरिथम फिल्टर को ट्रिगर करने से बचने के लिए किया जाता है। इस मामले में, अल्गोस्पीक में आमतौर पर आपत्तिजनक सामग्री से जुड़े शब्दों और वाक्यांशों को बदलने के लिए इंटरनेट स्लैंग, कोड, व्यंजना या इमोजी का उपयोग शामिल हो सकता है। कई उपयोगकर्ता अल्गोस्पीक का भी सहारा लेते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि टिकटॉक का एल्गोरिथम मॉडरेशन हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लिए पक्षपाती और अनुचित है। उपयोगकर्ताओं ने दोहरे मानक की सूचना दी है, जिसमें टिकटॉक ने एलजीबीटीक्यू+ समुदाय से संबंधित शैक्षिक सामग्री को दबा दिया है, जबकि हानिकारक सामग्री को सबके लिए उपलब्ध रहने दिया है। मालूम हो कि इंटरनेट और सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री लंबे समय से चर्चा का विषय रही है और युवाओं का इससे संपर्क एक निरंतर चिंता का विषय बना हुआ है। टिकटॉक के जबरदस्त उछाल के साथ यह मुद्दा फिर से केंद्र में आ गया है।

जियांग्सू प्रांत में फैक्ट्री में आग लगने से सात की मौत

नानजिंग । पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत में एक फैक्ट्री में आग लगने से सात लोगों की मौत हो गई। वूशी शहर में टियांटियनरन टेक्सटाइल एंड टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड में करीब साढ़े छह बजे आग लग गई। राहत एवं बचाव कार्य समाप्त होने के बाद सात लोग मृत पाए गए। यह कंपनी 20 वर्षों से अधिक समय से काम कर रही है, और घरेलू बाजार और विदेशी दोनों बाजारों में उत्पाद बेचने वाली एक बड़ी यार्न निर्माता है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

अमेरिका को चिंता, रुस को बैलिस्टिक मिसाइल दे सकता ईरान

–यूक्रेन के खिलाफ हो सकती हैं इस्तेमाल

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय व्हाइट हाउस ने इस बात की चिंता जाहिर कि ईरान यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को मदद के लिए बैलिस्टिक मिसाइल दे सकता है, जो यूक्रेन के लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है। अमेरिका के एक राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि ईरान पहले से रूस को ड्रोन, लक्षित हवाई बम और गोला बारूद मुहैया करा रहा है और संभवत- वह ''रूस का समर्थन करने की दिशा में आगे बढ़ने को तैयार है। किर्बी ने सितंबर में हुई बैठक का जिक्र किया जिसमें ईरान ने रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु की मेजबानी की थी और कई बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली का प्रदर्शन किया था। किर्बी ने कहा, इसलिए हम बात को लेकर चिंतित हैं कि ईरान संभवत- रूस को बैलिस्टिक मिसाइल उपलब्ध कराने पर विचार कर रहा है जिसका इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ हो सकता है। उन्होंने कहा, ''इस समर्थन के बदले रूस ईरान को मिसाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और हवाई रक्षा सहित अभूतपूर्व रक्षा सहयोग की पेशकश कर सकता है। किर्बी की यह चेतावनी उस वक्त आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन की रक्षा जरूरतों के मद में आपात अमेरिकी कोष से 61 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि देने का अनुरोध किया था, अमेरिकी कांग्रेस ने इस अभी मंजूरी नहीं दी है।

सैम ऑल्टमैन की वापसी के लिए ओपनएआई बोर्ड की पुनर्पहल : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को । थ्राइव कैपिटल, खोसला वेंचर्स, टाइगर ग्लोबल मैनेजमेंट और सिकोइया कैपिटल जैसे प्रमुख निवेशक भी ओपनएआई में ऑल्टमैन की वापसी के लिए इस सप्ताह ऑल्टमैन के साथ बातचीत का संकेत दिया है। कंपनी के निदेशक मंडल ने उनकी वापसी के लिए इस सप्ताह ऑल्टमैन के साथ बातचीत को लेकर क?योरा के सीईओ एडम डीएंजेलो, ओपनएआई बोर्ड के वर्तमान सदस्य और ऑल्टमैन व संभवत: बोर्ड के अन्य सदस्यों के बीच भी चर्चा चल रही है। सूत्रों के अनुसार, बोर्ड और ऑल्टमैन कई संभावित परिदृश्यों पर चर्चा कर रहे हैं। सेल्सफोर्स के पूर्व सह–सीईओ ब्रेट टेलर भी नए बोर्ड में निदेशक के रूप में काम कर सकते हैं। कहा जाता है कि ऑल्टमैन ने अपनी वापसी की शर्त के रूप में ओपनएआई में महत्वपूर्ण प्रबंधकीय और शासन परिवर्तन की मांग की है। वैश्विक मामलों के ओपनएआई उपाध्यक्ष, अन्ना मकांजू ने कर्मचारियों को एक ज्ञापन भेजा, इसमें संकेत दिया गया कि ओपनएआई का प्रबंधन बोर्ड, ऑल्टमैन और अंतरिम सीईओ एम्मेट शीयर के साथ गहन चर्चा में है। इस बीच, माइक्रोसॉफ्ट ने मंगलवार को कहा कि वह उन कर्मचारियों को ओपनएआई का मुआवजा देगा, जो सत्या नडेला द्वारा संचालित तकनीकी दिग्गज ऑल्टमैन की नई उन्नत एआई अनुसंधान प्रयोगशाला में शामिल होना चाहते हैं। नडेला ने सोमवार को घोषणा की कि ऑल्टमैन और ओपनएआई के सह–संस्थापक और पूर्व अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन अपनी उन्नत एआई अनुसंधान टीम को चलाने के लिए कंपनी में शामिल होंगे।

इंडोनेशिया में 6 तीव्रता का भूकंप, कोई हताहत नहीं

जकार्ता । इंडोनेशिया के पूर्वी हिस्से में समुद्र के भीतर भूकंप के तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केन्द्र इंडोनेशिया के उत्तरी प्रांत मालुकु में टोबेलो से 94 किलोमीटर पश्चिम में 116 किलोमीटर (72 मील) की गहराई पर था जिसकी तीव्रता रियेक्टर पैमाने में छह दर्ज की गई। भूकंप से जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। इंडोनेशिया के मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान एवं भूभौतिकी एजेंसी ने बताया कि भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है लेकिन उसने भूकंप के बाद और झटके आने की चेतावनी दी है। गौरतलब है कि इंडोनेशिया की आबादी 27 करोड़ से अधिक है। इसके प्रशांत बेसिन के चारों ओर भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र में होने के कारण यहां अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी में विस्फोट होता है। पिछले वर्ष पश्चिमी जावा के सियानजुर शहर में 5.6 तीव्रता का भूकंप आया था जिसमें कम से कम 331 लोगों की मौत हो गई थी और लगभग 600 लोग घायल हो गए थे।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल मंगलवार को लंदन, ब्रिटेन के बकिंघम पैलेस में राजकीय भोज में ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय को सुन रहे हैं।

शख्स को लॉटरी में रोज मिलेंगे 83 हजार रुपये

–पूरी जिंदगी भर मिलेंगे रोजाना इतने रुपए

लंदन । एक शख्स के हाथ बड़ा जैकपॉट लगा है। इस शख्स को रोजाना 83 हजार रुपये मिलेंगे। वह भी जिंदगी भर। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका के रहने वाले इस शख्स ने न्यूयॉर्क लॉटरी कैश4लाइफ का टिकट खरीदा था। जब लॉटरी का ड्रा हुआ तो इसके हाथ मेगा जैकपॉट लगा। अमेजिंग प्राइजमनी के तहत उसे प्रतिदिन 1000 डॉलर मिलना था। लेकिन इसी बीच उसने एक बड़ा फैसला लिया। लॉटरी कंपनी ने उसे ऑफर दिया कि वह चाहे तो सारा पैसा एक साथ ले सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस शख?स ने अपनी कंपनी पिंकी एस्मंड लिमिटेड लायबिलिटी के नाम से टिकट खरीदा था, इसलिए कंपनी को 4,285,683 डॉलर का एकमुश्त भुगतान कर दिया गया। भारतीय रुपयों में इसकी वैल?यू 5 ।72 करोड़ रुपये होगी। लॉटरी कंपनी के मुताबिक, शख?स ने टिकट ब्रुकलिन में 2021 चर्च एवेन्यू पर चर्च ब्लू स्काई डेली में खरीदा था।इस साल की शुरुआत में, लॉन्ग आइलैंड की एक महिला ने भी ऐसा ही पुरस्कार जीता था। जेनिन प्लमर नाम की इस महिला ने 26 मई, 2022 को टिकट खरीदा, लेकिन उसे कभी नहीं देखा। वह भूल गई कि कोई टिकट भी उसने लिया है। इसी बीच विजेता का ऐलान हो गया। कंपनी तलाशती रही, लेकिन वह नहीं मिली। लगभग एक साल बाद उसने न्यूज देखा कि जिस महीने में उसने टिकट खरीदा, उसी महीने में एक शख्स विजेता बना है, लेकिन अब तक उसने दावा नहीं किया। तब महिला को याद आया कि उसने भी तो टिकट लिया था। इसके बाद जब उसने टिकट देखा तो हैरान रह गई। वह अमीर बन चुकी थी। बता दें कि लॉटरी कई लोगों की किस्मत बदल देती है। आपने ऐसी तमाम खबरें सुनी होंगी कि जिस शख्स के पास रहने के लिए घर तक नहीं था, वह एक झटके में अमीर हो गया। गाड़ी–बंगला खरीदने भर की दौलत आ गई। ऐसा सिर्फ कहानियों में नहीं, सच में ऐसा होता भी है।

मुसलमानों पर टूटा जुल्मों का पहाड़! सालों से चीन कर रहा उइगर मुस्लिम समुदाय पर अत्याचार, अब तोड़ी जा रही है मस्जिदें

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में मुस्लिम समुदाय के साथ जो कुछ भी किया जाता है वो हैवानियात को दर्शता है। चीनी सरकार के अत्यातारों का गवाह शिनजियांग शहर है जहां उइगर मुस्लिम का जीना दुशवार कर दिया गया है। न उनको खुलकर जीवन जीने की आजादी है ना अपने खुदा को सार्वजनिक रुप से याद करने की। उइगर मुस्लिम का चीन में काफी बुरा हाल है। इसके बावजूद बगल में बैठा पाकिस्तान जो अपने आप को मुस्लिम समुदाय का मसीहा मानता है वो चीन की एक लब्ज नें भी अलोचना नहीं करता। चीन खुलेआम मुस्लिम समुदाय पर अत्याचार करता आ रहा है। अब ताजा रिपोर्ट में कुछ खबरें आयी है जो चीनी सरकार के उइगर मुसलमानों पर हो रहे जुल्मों की कहानी को विश्व स्तर पर उजागर करती हैं।

मस्जिदों को बंद करने के प्रयास में जुटी चीनी सरकार

चीनी सरकार शिनजियांग के बाहर की मस्जिदों को बंद करने का प्रयास कर रही है, जहां मुस्लिम अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार को लेकर वर्षों से आलोचना हो रही है। यह विस्तार निंग्ज़िया क्षेत्र और गांसु प्रांत तक पहुंच गया है, जहां मुस्लिम आबादी ज्यादा है। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट का हवाला देते हुए, जो उपग्रह इमेजरी, सार्वजनिक रिकॉर्ड और प्रत्यक्ष साक्ष्य का उपयोग करती है, ये समापन एक आधिकारिक योजना का एक घटक है जिसे 'समेकन' के रूप में जाना जाता है।

चीन में मस्जिदों की बदली जा रही है वास्तुकला

स्थानीय अधिकारियों ने मस्जिदों को बंद करना शुरू कर दिया है और 'चीनी' शैली को बेहतर ढंग से फिट करने के लिए उनके वास्तुशिल्प डिजाइन को बदलना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह धार्मिक प्रथाओं पर अधिक नियंत्रण रखने और उसके अधिकार के लिए संभावित खतरों को कम करने की कम्युनिस्ट पार्टी की व्यापक पहल का हिस्सा है।

चीनीकरण फैलाकर शी जिनपिंग करेंगे अपना सपना पूरा

2016 के बाद से, राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने धर्मों के 'चीनीकरण' की वकालत की है, जिससे विशेष रूप से शिनजियांग में तीव्र कार्रवाई हुई है। यह क्षेत्र 11 मिलियन से अधिक उइगर और अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों का घर है। पिछले वर्ष की संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में सुझाव दिया गया था कि झिंजियांग में चीन की कार्रवाइयां, जिसमें कम से कम 1 मिलियन उइगर, हुइज़, कज़ाख और किर्गिज़ को रखने वाले न्यायेतर नजरबंदी शिविरों की स्थापना शामिल है, 'मानवता के खिलाफ अपराध' हो सकती है। ह्यूमन राइट्स वॉच के निष्कर्षों से पता चलता है कि धार्मिक अभिव्यक्ति पर व्यापक प्रतिबंध के हिस्से के रूप में शिनजियांग के बाहर के क्षेत्रों में मस्जिदों को बंद करना, विध्वंस करना या धर्मनिरपेक्ष उद्देश्यों के लिए धर्मांतरण हो रहा है।

चीन में मस्जिद एकीकरण

रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि चीनी विदेश मंत्रालय ने रिपोर्ट और मुस्लिम अल्पसंख्यकों के प्रति अपनी नीतियों के बारे में पूछताछ का तुरंत जवाब नहीं दिया है। 'मस्जिद एकीकरण' के विचार का पहला संदर्भ अप्रैल 2018 के आंतरिक पार्टी दस्तावेज़ में पाया गया था जिसे 'झिंजियांग पेपर्स' के हिस्से के रूप में अमेरिकी मीडिया के सामने प्रकट किया गया था। इस दस्तावेज़ ने मस्जिदों की कुल संख्या को कम करने के प्रयास में नई मस्जिदों के निर्माण पर रोक लगा दी और राज्य अधिकारियों से मौजूदा इस्लामी धार्मिक सुविधाओं के रखरखाव और विकास की निगरानी करने का आग्रह किया।

द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के डेविड स्ट्रूप और प्लायमाउथ विश्वविद्यालय के व्याख्याता हन्ना थीकर दोनों ने बताया कि स्नान सुविधाओं को हटाने से व्यावहारिक रूप से ये संरचनाएं पूजा के लिए अनुपयुक्त हो जाती हैं, भले ही वे ऐसी नहीं दिखतीं। . अनुमान है कि 2020 के बाद से, निंग्ज़िया में 1,300 से अधिक मस्जिदें - पंजीकृत सभी मस्जिदों में से लगभग एक तिहाई - बंद हो गई हैं। वे मस्जिदें जो अपनी अनौपचारिक स्थिति के कारण बंद कर दी गई हैं या नष्ट कर दी गई हैं, इस संख्या में शामिल नहीं हैं।

4 दिन बंद रहेगी इजरायल-हमास जंग, बंधकों की होगी अदला-बदली

–हमास छोड़ेगा 50 बंधक, बदले में नेतन्याहू छोड़ेंगे 150 कैदी

तेल अवीव (एजेंसी)। बंधकों की अदला-बदली की शर्त पर इजरायल और हमास के बीच चार दिनों के लिए युद्ध विराम हो गया है। बता दें कि इजरायल की सरकार ने हमास द्वारा बंधक बनाए गए 50 महिलाओं और बच्चों की रिहाई के बदले 150 फिलिस्तीनी महिला और नाबालिग कैदियों की जेल से रिहाई के साथ 4 दिनों के संघर्ष विराम को मंजूरी दी है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि इजरायल सरकार ने गाजा में बंधकों के रूप में रखी गई 50 महिलाओं और बच्चों को मुक्त करने के लिए फिलिस्तीनी हमास आतंकवादियों के साथ एक समझौते का समर्थन किया। इसके बदले में इजरायल सुरक्षा संबंधी अपराधों के लिए अपनी जेलों में बंद लगभग 150 फिलिस्तीनी महिलाओं और नाबालिगों को रिहा कर देगा। इस दौरान उन लोगों को रिहा किया जाएगा, जिन पर सीधे तौर पर किसी भी घातक आतंकी हमलों में शामिल होने का आरोप नहीं होगा। इस समझौते की व्यापक रूपरेखा के तहत उन 96 घंटों के दौरान लड़ाई को रोकने के बदले में पहले चार दिनों के भीतर 50 बंधकों को रिहा किया जाएगा।

बता दें कि हमास ने लगभग 40 बच्चों और 13 माताओं को बंधक बना लिया गया है। मंजूर किए गए सौदे में 30 बच्चों, आठ माताओं और 12 अन्य महिलाओं की रिहाई शामिल है। उन दिनों 50 बंधकों को एक साथ नहीं बल्कि छोटे-छोटे समूहों में रिहा किया जाएगा। अगर लड़ाई को अगले चार दिनों तक रोक दिया जाता है तो गाजा में रखे गए बाकी 30 बंधकों की रिहाई की भी संभावना है। रिहाई के लिए निर्धारित सभी लोग जीवित हैं और उनके पास इजरायल की नागरिकता है। कतर के अधिकारी इजरायल और हमास के बीच समझौते में मध्यस्थता कर रहे हैं। पीएम नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने समझौते तक पहुंचने में मदद की ताकि इसमें अधिक बंधक और कुछ रियायतें शामिल हों। दरअसल इजरायल की पिछले डेढ़ महीने से गाजा पर जारी हमले के बाद यह पहला युद्ध विराम होगा। इस युद्ध विराम के कारण गाजा में मानवीय सहायता भी पहुंच सकेगी। हालांकि यह साफ नहीं है कि यह युद्ध विराम कब प्रभावी होगा। उम्मीद है कि बंधकों को गुरुवार से मुक्त किया जा सकता है। इजरायली सरकार ने कहा कि वह रिहा किए गए हर 10 बंधकों के लिए शांति को एक अतिरिक्त दिन के लिए बढ़ा देगी।

कम हुआ भारत और कनाडा के बीच का तनाव! कनाडाई लोगों के लिए E-Visa सेवाएं फिर से शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने 2 महीने बाद कनाडाई लोगों के लिए ई-वीज़ा सेवाएं फिर से शुरू कर दी है।सूत्रों ने कहा कि भारत ने दो महीने के अंतराल के बाद कनाडाई लोगों के लिए ई-वीजा सेवाएं फिर से शुरू करने का फैसला किया है, जो राजनयिक तनाव में संभावित कमी का संकेत है। यह पिछले महीने भारत सरकार द्वारा एक महीने के प्रतिबंध के बाद कनाडाई नागरिकों के लिए कुछ श्रेणियों की वीज़ा सेवाओं को नवीनीकृत करने के फैसले के बाद आया है। ओटावा ने इस फैसले का 'कनाडाई लोगों के लिए अच्छी खबर' के रूप में स्वागत किया था। इस साल की शुरुआत में कनाडा की धरती पर खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता के कनाडा के आरोपों के कारण आई तीव्र गिरावट के बाद ई-वीजा सेवाओं को बहाल करने का कदम दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राजनयिक विवाद जून में शुरू हुआ जब ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर अज्ञात हमलावरों ने निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी। कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने बाद में खुफिया रिपोर्टों के आधार पर संसद में भारत सरकार के एजेंटों और निज्जर की हत्या के बीच 'विश्वसनीय' संबंध होने का आरोप लगाया। इन दावों को अमेरिकी खुफिया सहायता द्वारा समर्थित किया गया था, लेकिन अभी तक सार्वजनिक साक्ष्य के साथ इसकी पुष्टि नहीं की गई है। भारत ने आरोपों को 'बेतुका' और राजनीति से प्रेरित बताते हुए किसी भी संलिप्तता से इनकार किया है।

ब्रिक्स में शामिल होने, भारत को मनाने रुस के पास पहुंचा पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। ब्रिक्स को अमेरिका विरोधी देशों का मंच बनाने में जुटे चीन ने नापाक चाल चली है। चीन के इशारे पर पाकिस्तान ब्रिक्स की सदस्यता हासिल करने जुटा हुआ है। पाकिस्तान चाहता है कि भारत का दोस्त रूस इसमें मदद करे। मॉस्को में पाकिस्तानी राजदूत मुहम्मद खालिद जमाली ने खुलासा किया है कि इस्लामाबाद ने ब्रिक्स की सदस्यता के लिए आवेदन जमा कर दिया है। रूस अगले साल ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालने जा रहा है। ब्रिक्स का सदस्य बनने के लिए पाकिस्तान को भारत को मनाना होगा और इसकारण इस्लामाबाद रूस की मदद चाहता है।

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी राजदूत ने इंटरव्यू में यह खुलासा किया है। पाकिस्तान की सदस्यता का मुद्दा अगले साल रूस के सामने आएगा। ब्रिक्स का गठन साल 2010 में हुआ था और ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका इसके संस्थापक सदस्य देश थे। पिछले साल ब्रिक्स के आखिरी शिखर सम्मेलन में अक्टूबर में दक्षिण अफ्रीका ने 6 नए देशों को अपने गठबंधन में शामिल होने का न्यौता दिया था। इन देशों में मिस्त्र, अर्जेंटीना, इथोपिया, सऊदी अरब और यूएई शामिल हैं। ये देश 1 जनवरी 2024 से ब्रिक्स के सदस्य देश बन जाएंगे। पाकिस्?तान चाहता है कि रूस उस ब्रिक्स का सदस्य बनाए। इसके लिए रूस को भारत को मनाना होगा। अगर बात बतानी नहीं हैं, तब पाकिस्तान को भारत से बातचीत करनी होगी, तभी पाकिस्तान इस ग्रुप में प्रवेश कर पाएगा। चीन चाहता है कि पाकिस्तान को भी ग्रुप में शामिल किया जाए ताकि उसका दबदबा और मजबूत हो जाए। ब्रिक्स ये 5 सदस्य देश दुनिया की 5 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं और विश्व की 41 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह दुनिया की कुल जीडीपी का 24 प्रतिशत है।

रूस में ब्रिक्स की अगली बैठक होने वाली है और देश के उप विदेश मंत्री ने कहा है कि ब्रिक्स की योजना है कि कुछ देशों को पार्टनर स्टेट का दर्जा दिया जाए। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के दोस्तों का विस्तार वह लैटिन अमेरिका तक देखना चाहते हैं। इसके पहले चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा था कि हमें ब्रिक्स में और ज्यादा देशों को शामिल करना चाहिए ताकि वैश्विक व्यवस्था को ज्यादा न्यायोचित बना सके। चीन की मंशा है कि ब्रिक्स में पाकिस्तान को किसी तरह से शामिल किया जाए लेकिन भारत इसके खिलाफ पूरी ताकत से अड़ा हुआ है।

इसकारण चीन और पाकिस्तान दोनों रूस के द्वारा भारत पर दबाव डालकर ब्रिक्स का विस्तार कराना चाहते हैं। भारत का कहना है कि ब्रिक्स का और ज्यादा अगर विस्तार होता है, तब इससे वह कमजोर होगा और अपने मुख्य लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकेगा। इसके अलावा आम सहमति भी बनाना आसान नहीं होगा। इसके पहले बेलारूस ने भी ब्रिक्स में घुसने की कोशिश की थी लेकिन भारत ने उसका कड़ा विरोध किया था।

अमेरिका ने खालिस्तानी आतंकी पन्नू की हत्या की साजिश को किया नाकाम, भारत को दी चेतावनी

लंदन (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका में एक सिख अलगाववादी को मारने की साजिश को विफल कर दिया है। इसको लेकर अमेरिका की ओर से भारत सरकार को चेतावनी भी दी गई है। फाइनेंशियल टाइम्स (एफटी) ने मामले से परिचित लोगों का हवाला देते हुए बुधवार को रिपोर्ट दी। रिपोर्ट पर भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह घटनाक्रम कनाडा के यह कहने के दो महीने बाद आया है कि जून में वैंकूवर उपनगर में एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या में भारतीय एजेंटों के शामिल होने के 'विश्वसनीय' आरोप थे। भारत ने कनाडा के आरोपों को खारिज कर दिया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, साजिश का निशाना अमेरिकी और कनाडाई नागरिक गुरपतवंत सिंह पन्नू था, जो सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के नेता हैं, जो अमेरिका स्थित एक समूह है, जो सिखों के लिए अलग मातृभूमि की मांग करने वाले आंदोलन का हिस्सा है जिसे 'खालिस्तान' कहा जाता है। मामले से परिचित लोगों के अनुसार, उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या नई दिल्ली में विरोध के कारण साजिशकर्ताओं ने अपनी योजना छोड़ दी, या क्या एफबीआई ने हस्तक्षेप किया और पहले से ही चल रही एक योजना को विफल कर दिया।

जून में वैंकूवर में मारे गए कनाडाई सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद अमेरिका के कुछ सहयोगियों को साजिश के बारे में सूचित किया गया था। सितंबर में, कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा था कि निज्जर की हत्या से नई दिल्ली को जोड़ने वाले ÷विश्वसनीय आरोप÷ थे। घटनाक्रम से अवगत एक व्यक्ति ने कहा कि जून में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के वाशिंगटन दौरे के बाद अमेरिकी विरोध जारी किया गया था। राजनयिक चेतावनी के अलावा, अमेरिकी संघीय अभियोजकों द्वारा न्यूयॉर्क जिला अदालत में साजिश के कम से कम एक कथित अपराधी के खिलाफ एक सीलबंद अभियोग दायर किया गया था, मामले से परिचित लोगों ने उल्लेख किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एनआईए ने पंजाब और हरियाणा के 14 स्थानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की

नई दिल्ली । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पंजाब और हरियाणा के 14 स्थानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की हैं। यह कार्रवाई सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हमले के संबंध में की गई। इसमें खालिस?तान समर्थक आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू और उस जैसे अपराधियों, सहयोगियों की पहचान करने के लिए यह कार्रवाई की गई है, जिन पर आपराधिक अतिक्रमण, बर्बरता, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान, परामर्शदाताओं को नुकसान पहुंचाने का प्रयास, आगजनी और इमारत में आग लगाने का प्रयास जैसे गंभीर आरोप हैं। एनआईए उन सभी अपराधियों और उनके सहयोगियों की पहचान करने और उन पर मुकदमा चलाने के लिए जांच कर रही है। 19 मार्च, 2023 और 2 जुलाई, 2023 के हमलों के पीछे की पूरी साजिश को उजागर करने के लिए एनआईए टीमों द्वारा पंजाब और हरियाणा में 14 स्थानों पर छापे मारे गए। एनआईए की एक टीम ने अगस्त 2023 में सैन फ्रांसिस्को, यूएसए का दौरा किया था ताकि आगजनी और बर्बरता के हिंसक कृत्यों के माध्यम से वाणिज्य दूतावास पर हमलों की घटनाओं की जांच की जा सके, जिससे वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों और समुदाय के बीच डर पैदा हो गया था। अपनी जांच के हिस्से के रूप में, एनआईए ने इन हिंसक घटनाओं में शामिल अमेरिका-आधारित संस्थाओं और व्यक्तियों की पहचान करने और उनके बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए भीड़ से जानकारी जुटाई है। एजेंसी ने पहले ही कुछ इसतरह के व्यक्तियों की पहचान कर ली है जो बार-बार हुए हमलों के पीछे की साजिश का हिस्सा थे। इनमें हमलावर और उनके कई सहयोगी शामिल हैं, जो भारतीय और विदेशी दोनों नागरिक हैं। एनआईए ने जिन स्थानों पर छापेमारी की, वे पंजाब के मोगा, जालंधर, लुधियाना, गुरदासपुर, मोहाली और पटियाला और हरियाणा के कुरूक्षेत्र और यमुनानगर जिलों में फैले हुए थे। कार्रवाई के परिणामस्वरूप अन्य आपत्तिजनक दस्तावेजों के साथ-साथ आरोपी व्यक्तियों से संबंधित जानकारी वाले डिजिटल डेटा को जब्त किया।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार से लाल हुए बाबा रामदेव, पतंजलि को बदनाम करने की साजिश हो रही

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को फटकार लगाकर गलत प्रचार नहीं करने की हिदायत देने की खबर आने के बाद इसपर योग गुरु बाबा रामदेव का बयान सामने आया है। रामदेव ने साजिश रचने का आरोप लगाकर कहा कि कुछ डॉक्टरों ने एक समूह बनाया है जो लगातार योग, और आयुर्वेद के खिलाफ प्रचार करता है। अगर हम झूठे हैं, तब हम पर 1000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जाए। अगर पंतजली ने कोई गलती की है, तब हम मृत्युदंड के लिए भी तैयार हैं। रामदेव का कहना है सोमवार से अलग-अलग मीडिया साइट्स पर एक खबर वायरल हो रही है कि सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर आप गलत प्रचार करते हैं, तब आप पर जुर्माना लगाया जाएगा। बाबा ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट का सम्मान करते हैं, लेकिन हम कोई गलत प्रचार नहीं कर रहे हैं। कुछ डॉक्टरों ने एक समूह बनाया है जो लगातार योग, आयुर्वेद आदि के खिलाफ प्रचार करता है। बाबा रामदेव ने कहा, अगर हम झूठे हैं, तब हम पर 1000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाएं, और हम मृत्युदंड के लिए भी तैयार हूं लेकिन अगर हम झूठे नहीं हैं, तब उन लोगों को दंडित करें जो वास्तव में झूठा प्रचार कर रहे हैं। पिछले 5 वर्षों से रामदेव और पतंजलि को निशाना बनाकर दुष्प्रचार किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की खंडपीठ ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की याचिका पर सुनवाई कर पतंजलि के खिलाफ मौखिक टिप्पणी में कहा, पतंजलि आयुर्वेद के इसतरह के सभी झूठे और भ्रामक विज्ञापनों को तुरंत रोकना होगा। अदालत इसतरह के किसी भी उल्लंघन को बहुत गंभीरता से लेगी।

मनीष सिसोदिया पेशी पर पहुंचे कोर्ट, बिना पेजीनेशन के दस्तावेज पर हुई दिक्कत

नई दिल्ली । दिल्ली शराब नीति से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया आज राउज ऐवन्यू कोर्ट में पेश हुए। हालांकि कोर्ट ने चार्जशीट से जुड़े दस्तावेजों की जांच अगली सुनवाई से पहले पूरी करने का निर्देश दिया है। राउज़ एवेन्यू कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 22 दिसंबर को करेगी। कोर्ट में सुनवाई के दौरान मनीष सिसोदिया समेत अन्य आरोपियों के वकील ने सीबीआई द्वारा दिए गए दस्तावेज़ों पर सवाल उठाया है। आरोपियों के वकील ने कहा कि सीबीआई द्वारा दिए गए दस्तावेज़ पर सही तरीके से पेज क्रमांक नहीं है। कोर्ट ने कहा कि हर तारीख पर मिसिंग दस्तावेजों को लेकर कोई न कोई आवेदन दाखिल कर दिया था। सीबीआई ने कहा कि आरोपियों के वकील की तरफ से ट्रायल में देरी की जा रही है। वहीं आरोपियों के वकील ने कहा कि हमको बिना पेजिनेशन के दस्तावेज दिया है। हजारों पेज के दस्तावेज हैं। बिना पेजिनेशन के दस्तावेज से हमको उनकी जांच करने में दिक्कत होती है। आरोपियों के वकील ने कहा कि दस्तावेजों की पेजिनेटेड कॉपी दी जानी चाहिए। कोर्ट में बुधवार को मामले की सुनवाई के दौरान ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय ने कहा था कि पहले किसी भी आरोपी की तरफ से दस्तावेजों की हार्ड कॉपी की मांग नहीं की गई। आरोपियों के वकील ने कहा कि ईडी की वजह से ट्रायल में देरी हो रही है। हम ट्रायल में देरी नहीं कर रहे हैं। हमारी अर्जियों पर ईडी तीन महीने से जवाब दाखिल नहीं कर रही है। सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि अमनदीप ढल की स्वास्थ्य के आधार पर दाखिल अंतरिम जमानत अर्जी हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है, मगर अमनदीप ढल की नियमत जमानत की अर्जी अभी हाईकोर्ट में लंबित है। वहीं, ईडी ने कहा कि सभी जरूरी दस्तावेज पहले ही सभी आरोपियों को मेल पर दी जा चुकी है। सभी ऑरिजनल दस्तावेज स्कैन करके भी दिया गया था।

हिमाचल में शुरु हुआ तीखी सर्दी का दौर, पारा पहुंचा माइनस -2.7 डिग्री पर

शिमला । हिमाचल में अब तीखी सर्दी का दौर शुरु हो गया है। यहां एक बार फिर से बारिश और बर्फबारी के आसार बन रहे हैं। हालांकि, बीते 12 दिन से प्रदेश में मौसम ड्राई चल रहा है। लेकिन प्रदेश में बीते एक सप्ताह में 5 डिग्री तक अधिकतम पारा गिरा है। साथ ही न्यूनतम पारे में गिरावट दर्ज की गई है और लाहौल स्पीति का पारा माइनस में लुढ़क गया है। शिमला के मौसम विज्ञान केंद्र ने दो दिन प्रदेश के कुछ इलाकों में बारिश बर्फबारी का अनुमान लगाया है। इस दौरान पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने का अंदेशा जताया गया है। हालांकि, इसके ?लिए अलग से कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र का कहना है कि प्रदेश के मध्य व उच्च पर्वतीय कुछ भागों में 26 व 27 नवंबर को बारिश के साथ बर्फबारी की संभावना है। मैदानी व निचले भागों में मौसम साफ बना रहेगा। आईएमडी के अनुसार हिमाचल में 23 नवंबर से एक ताजा कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने जा रहा है। हालांकि, प्रदेश के सभी भागों में 28 नवंबर तक मौसम साफ रहेगा। वहीं, लेह मनाली हाईवे, काजा मनाली एनएच और शिंकुला दारचा मार्ग अगले छह माह के लिए बंद हो गए हैं। फिलहाल, लाहौल के दारचा तक गाड़ियां आ जा सकती हैं। शिमला में अधिकतम तापमान 19.4 डिग्री, मंडी के सुंदरनगर 25.4, भुंतर 25.3, कल्पा 16.5, धर्मशाला 24.0, ऊना 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, लाहौल स्पीति के केलांग में न्यूनतम पारा माइनस 2.6 डिग्री दर्ज किया गया है।

जहरीली शराब से हुई मौत पर मांझी ने नीतीश कुमार को घेरा

पटना। बिहार में कथित तौर पर जहरीली शराब से हुई मौत पर जीतन राम मांझी ने सीएम नितीश कुमार को कटघरे में खड़ा किया है। हाल के दिनों में सीतामढ़ी और गोपालगंज जिले में शराब पीने से हुई लोगों की मौत को लेकर इन दिनों खूब सियासत चल रही है। भाजपा इसे लेकर पहले ही मोर्चा खोल चुकी है। बुधवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतन राम मांझी ने मुख्यमंत्री से सवाल किया है। मांझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नीतीश कुमार पर जोरदार निशाना साधते हुए लिखा कि ज़हरीली शराब के नाम पर दलितों को थोड़ी-थोड़ी मौत क्यों बांट रहें हैं नीतीश जी एक ही बार जनरल डॉयर की तरह लाइन में खड़ा करके सबको गोली मार दीजिए, आपके नफ़रत का अंत हो जाएगा। जीतन राम मांझी ने आगे लिखा कि ज़हरीली शराब से हो रही मौत को नहीं रोक सकते तो शराबबंदी कानून का क्या मतलब है। कम से कम गुजरात से तो सबक लीजिए। इससे पहले उन्होंने मंगलवार को भी शराब से हुई मौत पर सरकार पर निशाना साधा था। गौरतलब है कि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतन राम मांझी शुरू से ही शराबबंदी कानून को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। बता दें कि बिहार में पूर्णरूप से शराबबंदी है, जिसमें शराब के सेवन, व्यापार पर रोक है।

42 मीटर तक सफल ड्रिलिंग, जल्द पूरा होगा रेस्क्यू ऑपरेशन

- टनल के बाहर 41 एंबुलेंस खड़ी की जा रही

नयी दिल्ली / उत्तरकाशी (एजेंसी)। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को कहा उत्तराखंड के उत्तरकाशी में आंशिक रूप से ध्वस्त सुरंग से 41 श्रमिकों को निकालने के लिए 11 दिनों से कड़ी मेहनत कर रहे बचावकर्मी अगले 24 घंटों में 'कुछ बड़ी खबर' की उम्मीद करते हैं। अतिरिक्त सचिव तकनीकी, सड़क और परिवहन, महमूद अहमद ने कहा कि 'कुछ बड़ी खबर' की उम्मीद थी क्योंकि अतिरिक्त 880-मिलीमीटर पाइप को मलबे में कई मीटर तक धकेल दिया गया था। उन्होंने कहा कि बचावकर्मियों ने मलबे में तीन पाइप डाले हैं। हालाँकि, उन्होंने कहा कि जब तक अधिकारी सुरंग के अंदर 45-50 मीटर तक नहीं पहुँच जाते, तब तक वह उनके बचाव के लिए सटीक समय सीमा नहीं बता पाएंगे। उन्होंने कहा, 'जब तक हम सुरंग के अंदर 45-50 मीटर तक पहुंचेंगे, हम आपको सटीक समय नहीं बता पाएंगे।' उन्होंने आगे कहा 'अगर कोई रुकावट नहीं आई तो आज रात या कल सुबह कोई बड़ी खबर मिल सकती है। मलबे के साथ एक लोहे की रॉड भी आई है। खुशी की बात यह है कि पाइपलाइन बिछाने के बीच में इस लोहे के कारण कोई दिक्कत नहीं हुई।'

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को निकालने के लिए क्षैतिज पाइप 42 मीटर तक डाला गया जिससे फंसे हुए 41 लोगों के जल्द बाहर निकलने की उम्मीद जगी है। सरकार ने एक बयान में कहा कि अब तक क्षैतिज 'ड्रिल' करके 42 मीटर तक या 67 प्रतिशत हिस्से तक पाइप डाला गया है। इसमें कहा गया है कि एक अन्य पाइप के जरिये रोटी, सब्जी, खिचड़ी, दलिया, संतरे और केले जैसेखाद्य पदार्थों की पर्याप्त आपूर्ति की जा रही है। इसके अलावा दवाओं और टी-शर्ट, अंतर्वस्त्र तथा टूथपेस्ट, साबुन जैसी अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी सुनिश्चित की जा रही है।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ)/ राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) द्वारा 'वायर' संपर्क के जरिये एक संशोधित संचार प्रणाली विकसित की गई। बयान में कहा गया है, ''एनएचआईडीसीएल ने ऑगर बोरिंग मशीन का इस्तेमाल करके श्रमिकों को बचाने के लिए सिलक्यारा से क्षैतिज बोरिंग फिर से शुरू कर दी है।''

सिलक्यारा से ढहे हिस्से के मलबे के बीच बोरिंग के काम को शुक्रवार दोपहर को रोक दिया गया था जब अमेरिकी निर्मित ऑगर मशीन को लगभग 22 मीटर के बाद बाधा का सामना करना पड़ा था। क्षैतिज 'ड्रिल' करने का अभियान मंगलवार को फिर शुरू किया गया था। उत्तरकाशी जिले में चारधाम यात्रा मार्ग पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग का एक हिस्सा 12 नवंबर को ढह गया था जिससे मलबे के दूसरी ओर श्रमिक फंस गए थे, जिन्हें निकालने के लिए युद्धस्तर पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

भुगतान नहीं होने पर जलबोर्ड संकट में : आतिशी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने एलजी को पत्र लिखते हुए कहा है कि पैसों की कमी से जलबोर्ड में संसाधनों का संकट उत्पन्न हो गया है। भुगतान नहीं होने पर ठेकेदारों ने भी काम करने से इंकार कर दिया है। इस कारण नियमित मरम्मत कार्य प्रभावित हुआ और अन्य कार्य भी बंद पड़े हैं। मंत्री आतिशी का कहना है कि इससे दिल्ली में सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और महामारी जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने आगे कहा कि सीवर की सफाई नहीं होगी तो गंदा पानी सड़कों पर ही नहीं, बल्कि घरों तक पहुंचेगा। यह आपातकाल जैसी स्थिति पैदा करने जैसी बात है। मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया कि वित्त सचिव अवहेलना कर रहे। दरअसल बीते 15 नवंबर को उन्होंने जलबोर्ड की दूसरी किस्त जारी करने के लिए वित्त सचिव और जलबोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की बैठक बुलाई थी। बैठक को लेकर 14 नवंबर को सूचित किया गया, लेकिन वित्त सचिव ने बैठक में शामिल होने से इंकार कर दिया था। मंत्री आतिशी ने साफ लिखा है कि निर्देशों का पालन नहीं हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जल और वित्त विभाग दोनों के प्रभारी मंत्री होने के नाते 16 नवंबर को फिर वित्त सचिव आशीष चंद्र वर्मा को दिल्ली में जल संकट का हवाला देते हुए 17 नवंबर तक जल बोर्ड की दूसरी किस्त जारी करने के निर्देश दिए गये थे, लेकिन उसका पालन भी नहीं किया गया है। मंत्री आतिशी का कहना है कि उन्होंने ऐसा करके अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम, 1968 का उल्लंघन किया है। उन्होंने एलजी को पत्र लिखकर यथास्थिति से अवगत कराया है और उम्मीद जाहिर की है कि उनका सहयोग मिलेगा और समस्या का समाधान हो सकेगा।

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में शुरु जी 20 वर्चुअल शिखर सम्मेलन

-रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास संघर्ष सहित विकास के मुद्दे पर होगी वार्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल-हमास युद्ध के बीच एक बार फिर जी 20 समूह के सदस्य देशों का वर्चुअल शिखर सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। हालांकि, बैठक में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह प्रधानमंत्री ली कियांग बैठक में शामिल होंगे। इस समिट में रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास संघर्ष पर भी बातचीत संभव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को होने वाले इस आयोजन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, कनाडाई पीएम जस्टिस ट्रूडो भी भागीदारी करेंगे। हालांकि, इस बार भी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस समिट से दूरी बना ली है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन एक अन्य प्रोग्राम में शामिल होने की वजह से उपस्थिति नहीं हो सकेंगे।

गौरतलब है कि 9-10 सितंबर को नई दिल्ली में जी-20 समिट आयोजित किया गया था जिसमें ग्रुप के सभी राष्ट्राध्यक्षों ने हिस्सा लिया था। लेकिन, चीन के राष्ट्रपति जी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत नहीं आ सके थे। उन्होंने अपने प्रतिनिधियों को समिट में शामिल होने भेजा था। इस दौरान स्वीकृत नई दिल्ली घोषणा पत्र के दौरान वर्चुअल समिट आयोजित करने का प्रस्ताव रखा था।

बुधवार को भारत द्वारा बुलाई गई जी20 की वर्चुअल समिट में दुनिया की सबसे बड़ी

अर्थव्यवस्थाएं और अफ्रीकी संघ एक साथ आएंगे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन करीब दो साल में पहली बार जी20 में उपस्थित होंगे। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति का प्रतिनिधित्व ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन करेंगी।

रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-हमास संघर्ष के प्रभाव पर भी चर्चा की जाएगी। भारत के शेरपा अमिताभ कांत ने कहा, जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की हमारी सफल मेजबानी के बाद से दुनिया ने कई घटनाओं को देखा है और कई नई चुनौतियां सामने आई हैं जिसमें विकास के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करेंगे। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा, नेताओं द्वारा चर्चा किए जाने वाले मुद्दों को पहले से तय करना उचित नहीं होगा, क्योंकि भारतीय अधिकारियों ने सितंबर में शिखर सम्मेलन के बाद से कई मुद्दों पर हुई प्रगति को सूचीबद्ध किया है। अमिताभ कांत ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी एक बार फिर दो महीने के भीतर जी20 के नेताओं की मेजबानी करेंगे। यह समिट बेहद खास और मायने रखती है। किसी अन्य राष्ट्रपति ने सभी नेताओं की फिजिकल और फिर वर्चुअल बैठक नहीं की है। इन सबके अलावा पीएम ने वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ के दो सत्रों की मेजबानी की है। भारत ने 150 से ज्यादा वैश्विक नेताओं के साथ एक साल में चार ऐसी बैठकें आयोजित की हैं जो वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री की संयोजक शक्ति और नेतृत्व को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करती हैं।

इससे पहले सितंबर में भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच जी20 शिखर सम्मेलन के घोषणा पत्र पर आम सहमति हासिल की थी। यह एक ऐसा मुद्दा था, जिसने विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच गतिरोध पैदा करने की धमकी दी थी। भारत अब शिखर सम्मेलन में नेताओं द्वारा सहमत मुद्दों के कार्यान्वयन पर काम कर रहा है। नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान में कहा, भारत की अध्यक्षता में सितंबर में आयोजित समिट में तय किए गए प्रमुख नतीजों और कार्रवाई बिंदुओं पर जी20 वर्चुअल शिखर सम्मेलन बात होगी। दो महीने पहले लिए गए विभिन्न निर्णयों के प्रभावी कार्यान्वयन पर भी जोर दिए जाने की उम्मीद है।

'कांग्रेस के पास सिर्फ मुस्लिम वोट..', ओवैसी का राहुल गांधी पर वार, बोले- हम नहीं गए तो अमेठी हार गए, जाते तो क्या होता?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दावा किया कि सबसे पुरानी पार्टी के एकमात्र मतदाता मुस्लिम समुदाय हैं। राहुल गांधी पर वार करते हुए औवैसी ने कहा कि हम नहीं गए तो वे (राहुल गांधी) अमेठी हार गए, जाते तो क्या होता? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी वायनाड में इसलिए जीते क्योंकि वहां पर उन्हें 35 प्रतिशत मुस्लिम वोट मिला। हम नहीं गए और स्मृति ईरानी ने उन्हें हरा दिया...वे अपने परदादा, दादी और पिता की सीट नहीं बचा पाए।

ओवैसी ने आगे कहा कि कांग्रेस के पास आज अगर कोई वोटर बचा है तो मुस्लिम आबादी बची है इसलिए जब AIMIM पार्टी अल्पसंख्यकों के अधिकारों की बात करती है तो कांग्रेस पार्टी हमसे परेशान होती है। 1967 में बनाया गया लोकसभा क्षेत्र अमेठी दशकों से कांग्रेस का गढ़ रहा है। 2004 में इस सीट से जीतकर राहुल गांधी के राजनीति में प्रवेश करने से पहले संजय गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी सहित गांधी परिवार के सदस्यों ने इसका प्रतिनिधित्व किया था। वह 2009 में फिर से निर्वाचित हुए लेकिन जीत का

अंतर 2009 में 3,70,198 वोटों से घटकर 2014 में 1,07,903 वोट हो गया। भाजपा उम्मीदवार स्मृति ईरानी ने अपने पहले चुनाव में तीन लाख से अधिक वोट हासिल किए।

हालांकि, 2019 के चुनाव में राहुल गांधी ईरानी से हार गए। वह केरल के वायनाड से चुने गए। ओवैसी ने कहा कि गांधी केरल के वायनाड से मुस्लिम वोटों की वजह से जीते। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने वायनाड जीता क्योंकि मुस्लिम लीग से उन्हें 35त्न मुस्लिम वोट मिले। यह भारतीय राजनीति की सच्चाई है...अगर कांग्रेस के लिए कोई मतदाता बचा है, तो वह मुस्लिम वोट है और यही कारण है कि कांग्रेस एआईएमआईएम की अल्पसंख्यक सशक्तिकरण और नेतृत्व की चिंता से परेशान है। कांग्रेस तेलंगाना में ओवैसी की एआईएमआईएम पर के चंद्रशेखर राव की बीआरएस और भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन करने का आरोप लगा रही है।

महिला को भरी पंचायत में जूते पर थूककर चटवाया, 20 जूते भी मारे

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गढ़वा में एक महिला को भरी पंचायत में 20 जूते मारे गए। इतना ही नहीं, उसे जूते पर थूक कर चाटने को मजबूर भी किया गया। और तो और कान पकड़कर सौ दफा उठक-बैठक कराया गया, तथा उस पर 56 हजार रुपए का आर्थिक दंड भी लगाया। इतना सबकुछ करने के बाद भी पंचायत का दिल नहीं भरा तो उसके सामाजिक बहिष्कार का फैसला भी सुनाया गया। हालांकि यह घटना तीन महीने पुरानी है, लेकिन इसकी शिकायत अब दर्ज कराई गई है। महिला का कहना है कि इस घटना के अगले ही दिन ही उसने मेराल थाने में आवेदन दिया था, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की गई। अब उसने ऑनलाइन कंप्लेन दर्ज कराई है। यह घटना गढ़वा जिले के मेराल थाना अंतर्गत तिसरटेटुका गांव की है। हालांकि पीड़िता मुस्लिम समाज की है। पंचायत भी मुस्लिम समाज के लोगों ने बिठाई थी। महिला का कहना है कि उसे चरित्रहीन और डायन करार देकर यह जुल्म किया गया।

महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि बीते 15 अगस्त की रात लगभग 12 बजे पंचायत बिठाई गई। गांव के जब्बार अंसारी, मुजाहिद अंसारी, इलियास अंसारी, साकिर अंसारी, मोकिर अंसारी, असगर अली, इमामुद्दीन अंसारी और इरशाद अंसारी उसके घर पहुंचे और उसे एवं उसके पति को पंचायत में ले गए। यहां सार्वजनिक तौर पर महिला पर गांव के एक युवक से नाजायज संबंध के आरोप लगाए गए। उस पर डायन होने का भी आरोप मढ़ा गया। महिला और उसके पति ने इन आरोपों से इनकार किया, लेकिन पंचायत में महिला को दंडित किया गया। ऑनलाइन शिकायत के आधार पर पुलिस महिला की शिकायत की जांच कर रही है। हालांकि अभी तक किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

'जेबकतरा' और 'पनौती' को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंची भाजपा, कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के 'जेबकतरे' और 'पनौती' (अपशकुन) वाले तंज के खिलाफ चुनाव आयोग का रुख किया। राहुल गांधी ने मंगलवार को राजस्थान के एक चुनावी रैली में कहा, 'पनौती...पनौती...पनौती...हमारे लड़के विश्व कप जीतने की राह पर थे लेकिन पनौती ने उन्हें हरा दिया...इस देश के लोग जानते हैं।' आज राजस्थान के भरतपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा जेब कतरा कभी अकेला नहीं आता, तीन लोग होते हैं। एक सामने से आता है, एक पीछे से आता है और एक दूर से देखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काम आपके ध्यान को इधर-उधर करने का है। वे सामने से टी.वी. में आते हैं और हिंदू-मुस्लिम, नोटबंदी, जीएसटी कहते हैं। पीछे से अडानी आता है और आपका पैसा उठाकर ले जाता है। दूसरी तरफ से अमित शाह देखते हैं कि किसी को पता न लग जाए, दबाकर लाठी मारूंगा।

पोल पैनल को लिखे एक पत्र में, बीजेपी ने लिखा, 'प्रधानमंत्री की तुलना 'जेबकतरा'

(जेबकतरे) और 'पन्नौती' से करना एक वरिष्ठ नेता के लिए सबसे अशोभनीय है और यह राजनीतिक चर्चा के गिरते स्तर का एक लक्षण है।' भाजपा ने यह भी कहा कि किसी भी व्यक्ति को ऐसे उदाहरण के लिए जाइबकात्र कहना न केवल क्रूर दुर्व्यवहार और व्यक्तिगत हमला है, बल्कि उस व्यक्ति का चरित्र हनन भी है, जिसके खिलाफ ऐसी टिप्पणी उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और जनता को गुमराह करने के स्पष्ट इरादे से की गई है। वहीं, बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा और प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए कांग्रेस नेता से माफी की मांग की।

पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल, जिसमें इसके महासचिव राधा मोहन दास अग्रवाल और एक अन्य पदाधिकारी ओम पाठक शामिल थे, ने भी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग की, उन्होंने उन पर झूठा दावा करने का आरोप लगाया कि जब वह मुख्यमंत्री थे तब मोदी की जाति को गुजरात की ओबीसी सूची में शामिल किया गया था। पाठक ने कहा, घांची जाति पारंपरिक रूप से तेल निकालने का काम करने वाला समुदाय है, जिसे 1999 में ओबीसी सूची में शामिल किया गया था, जबकि मोदी 2001 में मुख्यमंत्री बने थे। भाजपा ने कहा कि हम चुनाव आयोग से अनुरोध करते हैं कि मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के खिलाफ लगातार धोखाधड़ी, आधारहीन और अपमानजनक आचरण के लिए उचित कानूनी कार्रवाई करके और उनके खिलाफ निषेधाज्ञा पारित करके तत्काल हस्तक्षेप करें।

इस साल नवंबर में एयर पलूशन ने तमाम रिकॉर्ड तोड़ दिए

-केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट से लेकर एनजीटी तक ने सरकारों को फटकार लगाई है। अक्टूबर ही नहीं बल्कि नवंबर महीने में भी अब तक हवा में प्रदूषण ने लोगों का सांस लेना तक दूभर किया हुआ है। इतना ही नहीं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी मानता है कि इस साल नवंबर में एयर पलूशन ने तमाम रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। बोर्ड के मुताबिक बीते 6 सालों में दूसरी बार इतना ज्यादा एयर पलूशन रहा है। इसके पहले 2021 में इतना पलूशन था। इस महीने 8 दिन हवा में पलूशन का स्तर खतरनाक रहा है। इसके अलावा 9 दिन बेहद खराब श्रेणी वाली हवा रही।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के डेटा के मुताबिक 1 नवंबर से 20 नवंबर के दौरान 2018 से 2023 तक में सबसे ज्यादा पलूशन वर्ष 2021 में था। इस साल एयर पलूशन का औसत 383 था। वहीं इस साल औसत एक्यूआई 372 रहा। इसी अवधि में 2020 में 329, 2019 में 353 और नवंबर में 342 रहा। डेटा के अनुसार 2 नवंबर को शाम 4 बजे एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 392 था और शाम 5 बजे तक यह औसत 402 तक पहुंच गया। 3 से 6 नवंबर के दौरान एक्यूआई बेहद खतरनाक श्रेणी में पहुंच गया। हालांकि 7 नवंबर को थोड़ा सुधर गया और 395 तक आ गया।

लेकिन 8 और 9 नवंबर को फिर से 400 के पार हो गया। इसके बाद 10 नवंबर को दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और पश्चिम यूपी सहित बड़े इलाके में हुई बारिश से राहत मिली थी। हालांकि 12 नवंबर के बाद से फिर प्रदूषण बढ़ना शुरू हो गया और 13 नवंबर को दिवाली के अगले दिन यह फिर 350 के पार चला गया। फिर 14 नवंबर को यह 397 और अगले दिन यानी 15 को 398 हो गया। फिर 16 और 17 नवंबर को भी प्रदूषण का लेवल बढ़ा रहा। जानकार मानते हैं कि नवंबर के शुरुआती दिनों में हवा की गति कम होने से प्रदूषण बढ़ जाता है। इसके अलावा पराली जलने से यह संकट और गहराता है। बीते साल के मुकाबले इस बार पलूशन अधिक रहने की वजह यह भी थी कि 2022 में अक्टूबर महीने में अच्छी खासी बारिश हुई थी। इस बार ऐसा

नहीं हुआ। इसके अलावा पराली भी बीते साल अक्टूबर के अंत तक ही जली थी। लेकिन इस बार धान की फसल देरी से लगी थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

बर्खास्त टीआरबी जवानों ने सूरत कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन किया

नौकरी से निकाले जाने पर टीआरबी जवानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की

सूरत जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन करते टीआरबी जवान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :राज्य सरकार के आदेश के चलते राज्य पुलिस प्रमुख की ओर से 6,000 से अधिक टीआरबी कर्मियों को मानद सेवा से मुक्त करने का सर्कुलर जारी किया गया है। इससे टीआरबी जवानों की रोजी-रोटी छिन गयी। इसलिए टीआरबी जवान गुस्से में हैं।

पूरे गुजरात में 6,000 से अधिक टीआरबी कर्मियों को रिहा करने के फैसले के खिलाफ सूरत में भी विरोध प्रदर्शन किया गया है। सरकार के इस फैसले के बाद सूरत शहर में सेवारत लगभग 1600 टीआरबी जवानों ने एक समूह बनाया है और सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया है। आज बुधवार 22 नवंबर को लगभग 400 टीआरबी जवान मोर्चा लेकर सूरत जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे।

गुजरात कांग्रेस के लिगल सेल और ओबीसी सेल के नेतृत्व में जिला कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुति देने पहुंचे टीआरबी कर्मियों ने सरकार के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। जमकर नारेबाजी करते हुए टीआरबी जवानों ने सरकार द्वारा जारी सर्कुलर को वापस लेने की मांग की। उन्होंने सरकार द्वारा सर्कुलर वापस नहीं लेने पर अपने परिवार के साथ सड़कों पर उतरने की धमकी भी दी।

27 नवंबर को सूरत स्टेशन रोड पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा

टीआरबी जवान ने कहा कि सरकार ने टीआरबी जवानों के साथ अन्याय किया है। टीआरबी में गरीब महिलाएं भी शामिल हैं। इस मामले में सूरत जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपी गई है। इतना ही नहीं, बल्कि 27 नवंबर को सूरत रेलवे स्टेशन रोड स्थित सरदार प्रतिमा के पास टीआरबी जवानों के साथ सरकार के खिलाफ धरना दिया जायेगा।

पति की मौत के बाद परिवार को संभालने वाली टीआरबी महिला बेरोजगार हो गई

महिला टीआरबी कांस्टेबल सोनलबेन राठौड़ ने कहा कि वह दस साल से टीआरबी में सेवा दे रही हैं। पति की मृत्यु के बाद उन पर अपने बच्चों और परिवार के भरण-पोषण की जिम्मेदारी है। माँ को लकवा है, जिसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी खुद पर ही है। सरकार के फैसले के बाद अचानक छंटनी के आदेश दिए गए हैं। ऐसे में बच्चों और परिवार का भरण-पोषण कैसे किया जाए यह बड़ा सवाल है।

फर्जी दस्तावेज से फर्म रजिस्टर्ड कर जीएसटी चोरी करने वाले दो आरोपी पकड़े गए

इको सेल ने दो आरोपीओं को गिरफ्तार किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी का मामला सामने आ रहा है। धोखेबाजों द्वारा जीएसटी चोरी के विभिन्न तरीके अपनाए जाते हैं। यह भी सामने आया है कि जीएसटी से बचने के लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया जा रहा है। फर्जी दस्तावेजों से जीएसटी चोरी करने वाले दो आरोपियों को इको सेल ने गिरफ्तार किया है। फर्जी दस्तावेजों से फर्म का

भावनगर और सूरत से जीएसटी चोरी करने वाले दो आरोपीओं को इको सेल ने गिरफ्तार किया

पंजीकरण कराकर जीएसटी चोरी करने के आरोप में इको सेल ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इको सेल द्वारा शोबन कुरेशी को भावनगर से गिरफ्तार किया गया है। जबकि उमंग पटेल को सूरत से पकड़ा गया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर चार दिन के रिमांड पर लिया गया है।

आरोपी शोबन कुरेशी ने केतन इंटरप्राइजेज को खरीदकर बेच दिया। आरोपी उमंग पटेल ने शाह इंटरप्राइजेज नाम की फर्म खरीदकर फर्जी विक्रय बिल बनाकर अपराध किया है। फिलहाल दोनों आरोपियों से इको सेल पूछताछ कर रही है। अधिक चोरी और कार्यप्रणाली के साथ-साथ कौन शामिल है यह रिमांड में सामने आ सकता है।

नगर निगम की लापरवाही से बढ़ी दुर्घटनाएं स्पीड ब्रेकर पर सफेद पट्टी लगाना भुल गए

स्पीड ब्रेकर पर सफेद पट्टी नहीं होने से बढ़ी वाहन चालकों की दुर्घटनाएं

स्पीड ब्रेकर पर स्थानिकों ने सफेद पट्टी लगाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में हादसों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। फिर एक के बाद एक हादसों के कारण भी सामने आ रहे हैंष इस बार खुलासा हुआ है कि नगर निगम की लापरवाही के कारण पुणा क्षेत्र में हादसे बढ़े हैं। नगर निगम की ओर से सड़क पर बने स्पीड ब्रेकरों पर सफेद पट्टी नहीं लगाए जाने से एक के बाद एक वाहन चालकों के चपेट में आने के दृश्य सीसीटीवी में कैद हो गए हैं।

सूरत नगर निगम की बड़ी लापरवाही सामने आई है। पुणा क्षेत्र में सर्कल के पास सड़क पर स्पीड ब्रेकर की सफेद पट्टी नही होने के कारण दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। रात के समय वाहन चालक पूरी रफ्तार से सीधे स्पीड ब्रेकर से टकरा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्पीड ब्रेकर से टकराकर सडक पर गिरने वाले वाहन चालकों को पीछे से आ रहे वाहनों से कुचले जाने की आशंका है।

सीसीटीवी में हादसे के दृश्य सामने आए हैं। रात के समय स्पीड ब्रेकर के कारण बाइक चालक चपेट में आ रहे हैं। एक रिक्शा भी पलट गया है। आए दिन बाइक सवार चपेट में आ रहे हैं। आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इसलिए मांग की गई है कि तत्काल सफेट पट्टी के साथ ही लाइटिंग की व्यवस्था की जाए।

प्रशासन की लापरवाही स्थानिकों ने ध्यान पर लाने का प्रयास किया फिर भी रास्ते पर बने स्पीड ब्रेकर पर सफेद पट्टी नही होने का कारण दुर्घटना बढने से स्थानिकों ने स्वयं खर्च कर रास्ते पर सफेद कलर लगाकर स्पीड में आनेवाले वाहनचालकों को स्पीड ब्रेकर पता चले इसकी अस्थायी व्यवस्था करने के लिए मजबुर हो गए।

गुगल, यु ट्युब का सब्सक्रिप्शन लेकर कमीशन पाने में ट्रावेल्र्स को 7.88 लाख का नुकसान हुआ

ओनलाईन प्रस्तावित कार्यो के लिए लिंक भेजकर रुपये ट्रान्सफर कर धोखाधडी की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पाल में रहने वाले ट्रावेल्र्स को म्यांमार के नंबर से आए मैसेज पर विश्वास कर गूगल और यूट्यूब को सब्सक्राइब कर कमीशन पाने के लिए 7.88 लाख रुपये गंवाने पडे । साइबर क्राइम पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

पाल गौरवपथ रोड पर नक्षत्र हाइट्स निवासी 34 वर्षीय योगेशभाई लक्ष्मणभाई बोकड़े अपने घर से पी.एल. बी. हॉलीडेज़ नाम से एक ट्रैवल एजेंसी चलाते हैं। पिछले ३ अगस्त की शाम को उसके व्हाट्सएप पर म्यांमार के मोबाइल नंबर से मैं ब्लूमबर्ग इंडिया लिमिटेड से ऐश्वर्या हूं। मैसेज एचआर डिपार्टमेंट के नाम से आया था। मेरे पास आपके लिए एक प्रस्ताव है ऐसा संदेश था। योगेश भाई ने हां कहा तो अजनबी ने गूगल मैप और यूट्यूब पर सब्सक्रिप्शन लेने और पूरे किए गए कार्यों की संख्या के हिसाब से कमीशन देने की बात कही। टास्क पूरा करने के लिए आपको 150 रुपये मिलेंगे और आपको 21 टास्क पूरे करने होंगे। इसके लिए उनके द्वारा एक लिंक भेजा गया था। इस लिंक की सदस्यता ली। बाद में कार्य पूरा करने के लिए 3850 रुपये दिये गये। और Bloomb-erg2023.com पर एक लिंक भेजा, उसमें रजिस्टर किया और बिट कॉइन ट्रेडिंग का काम दिया। इसमें अलग-अलग टास्क देकर और पेमेंट निकालने का चार्ज बताकर 1.99 लाख अलग-अलग बैंक अकाउंट में और कुल 7.88 लाख यूपीआई से ट्रांसफर किए गए। बाद में कमीशन या हस्तांतरित धन वापस न करके धोखाधड़ी की। आख़िरकार, उन्होंने साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने आगे की जांच की।

चैंबर ऑफ कॉमर्स में उद्योग आयुक्त के साथ उद्योगपतियों की बैठक हुई

उद्योगपतियों द्वारा विभिन्न प्रस्तुतीकरण दिये गये

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने बुधवार 22 नवंबर 2023 को शाम 4:30 बजे समहती, सरसाणा, सूरत में गुजरात सरकार के उद्योग आयुक्त संदीप सागले (आईएएस) के साथ उद्योगपतियों की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें सूरत कलेक्टर आयुष ओक (आईएएस) और संयुक्त उद्योग आयुक्त नील श्रीमाली और कपड़ा, हीरे और रत्न और आभूषण उद्योग से जुड़े अन्य अधिकारी और उद्योगपति उपस्थित थे।

उद्योग आयुक्त संदीप सागले ने कहा कि 10वां वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 आयोजित किया जाएगा। उन्होंने सभी उद्योगपतियों से 23 नवंबर, 2023 को सुबह 9.30 बजे प्लेटिनम हॉल, सरसाना में 'फ्यूचर रेडी 5एफ- विकसित भारत के लिए गुजरात का टेक्सटाइल विजन' विषय पर एक सेमिनार में भाग लेने का अनुरोध किया।

उद्योग आयुक्तसंदीप सागले ने उद्योगपतियों की विभिन्न जिज्ञासाओं को शीघ्र ही हल करने का आश्वासन दिया और सभी उद्योगपतियों से कपड़ा और परिधान क्षेत्र के लिए 'फ्यूचर रेडी 5एफ: गुजरात का एक विकसित टेक्सटाइल विजन' विषय पर आयोजित होने वाले सेमिनार में भाग लेने का अनुरोध किया।

बैठक में उपस्थित उद्योगपतियों ने उद्योग आयुक्त के समक्ष विभिन्न प्रश्न रखे। जिसमें मुख्य रूप से गुजरात सरकार की कपड़ा नीति 2019 के तहत स्वीकृत आवेदनों का वितरण करने हेतु प्रस्तुत किया गया। समिति की बैठक आयोजित करने का अनुरोध किया गया ताकि राज्य स्तरीय सशक्तिकरण समिति द्वारा अनुमोदित उद्योगपतियों के 10 करोड़ रुपये से अधिक के दावों को मंजूरी दी जा सके।

पीएम मित्रा पार्क को जल्द से जल्द शुरू करने के लिए प्रेजेंटेशन दिया गया।

इसके अलावा, यह प्रस्तुत किया गया कि गुजरात सरकार की अन्य योजनाओं से बुनाई, कढ़ाई आदि में लगी कपड़ा इकाइयों को लाभ होगा। गौरतलब है कि इन इकाइयों को गुजरात सरकार की कपड़ा नीति 019 का ही लाभ मिलता है। इसके अलावा उद्योगपतियों की विभिन्न नई कपड़ा योजना की घोषणा तत्काल करने का अनुरोध किया गया।

प्रस्तुतियों को सुनने के बाद उद्योग आयुक्तसंदीप सागले ने उद्योगपतियों के विभिन्न मुद्दों को कम समय में हल करने का आश्वासन दिया।

चेंबर ऑफ कॉमर्स के मानद मंत्री निखिल मद्रासी ने स्वागत भाषण दिया और बैठक में उपस्थित सभी को धन्यवाद दिया। चैंबर के तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष हिमांशु बोडावाला, पूर्व अध्यक्ष आशीष गुजराती, फियास्वी के अध्यक्ष और चैंबर के पूर्व अध्यक्ष भरत गांधी, गुजरात के पूर्व मंत्री नानूभाई वानानी, दक्षिण गुजरात वार्प निटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्रिजेश गोंडलिया और रमन मगोतिया, सुनील शाह साउथ गुजरात टेक्सटाइल प्रोसेसर्स एसोसिएशन, सर्कुलर निटर्स एसोसिएशन की ओर से विष्णुजी, सूरत डायमंड बुर्स के सीईओ महेश गढ़वी और सूरत ज्वेलरी मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अमित कोराट और अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।